RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

यदि लोग आपके लक्ष्य पर हस नहीं रहे है तो आपके लक्ष्य बहुत छोटे है।

अजीम प्रेमजी

वर्ष-04, अंक - 05 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 04 नवम्बर 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

दीपावली पर राहुल गांधी ने सरकार पर कसा तंज

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तेज वृद्धि के मद्देनजर, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि, ÷दीपावली के दौरान मुद्रास्फीति अपने चरम पर है÷।

राहुल गांधी ने ट्वीट करते हुए कहा, ÷दिवाली है। महंगाई चरम पर है। व्यंग्य की बात नहीं है। काश मोदी सरकार के पास जनता के लिए एक संवेदनशील दिल होता।÷ राहुल गांधी और कांग्रेस ने सरकार पर पेट्रोल-डीजल पर टैक्स के नाम पर रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है।

इससे पहले सोमवार को, कांग्रेस नेता ने केंद्र पर निशाना साधा था और नागरिकों से ÷पिकपॉकेट÷ से सावधान रहने को कहा था। उन्होंने एक ट्वीट में हैशटैग ÷टैक्सएक्सटॉर्शन÷ का इस्तेमाल करते हुए कहा, ÷पॉकेटमारों से सावधान।

पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने अपने ट्वीट के साथ एक समाचार रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें कहा गया है कि कुछ राज्यों में पेट्रोल की कीमतें 120 रुपए प्रति लीटर को पार कर गई हैं और केंद्र ने 2018-19 में 2.3 लाख करोड़ रुपए और 2017-18 में 2.58 लाख करोड़ रुपए इंधन पर लगाए गए करों से एकत्र किए हैं।

कंस्ट्रक्शन कम्पनी पर छापा

70 करोड़ की बेहिसाब आय का खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर विभाग ने हाल ही में कर्नाटक के एक प्रमुख नागरिक निर्माण समूह पर छापेमारी के बाद 70 करोड़ रुपए से अधिक की बेहिसाब आय का पता लगाया है। सीबीडीटी ने बुधवार को यह जानकारी दी। 28 अक्टूबर को उत्तरी कर्नाटक के कई स्थानों पर तलाशी ली गई थी।

सीबीडीटी ने एक बयान में दावा किया, 'छापेमारी में 70 करोड़ रुपए से अधिक की बेहिसाब आय का पता चला है, जिसे निर्धारित समूह द्वारा अघोषित आय के रूप में स्वीकार किया गया है।'

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) कर विभाग के लिए नीति बनाने वाली संस्था है। इसने कहा कि, समूह सामग्री की खरीद, श्रम व्यय और उप-ठेकेदारों को भुगतान में 'फर्जी' खर्च बुक करके अपने मुनाफे को 'दबा' रहा है। जब्त किए गए आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि, 'ए ` स ` विक्रेताओं/सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं से समूह के प्रमुख व्यक्ति द्वारा बेहिसाब नकदी प्राप्त की गई है।'

सीबीडीटी ने कहा, 'यह भी पाया गया कि उप-ठेकेदारों के नाम पर उनके अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और कर्मचारियों का इस्तेमाल किया गया था, जिन्होंने न तो कोई काम किया और न ही उनके पास काम करने की क्षमता थी।' बयान में कहा गया है कि, निर्धारिती समूह इन लेनदेन से 'बेहिसाब' नकदी पैदा कर रहा है।

जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश का आतंकवादी गिरफ्तार

नई दिल्ली। एनआईए ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले से जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) के एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। एनआईए ने इस बात की जानकारी दी है। अरेस्ट हुए आतंकवादी का नाम बताया नहीं गया है। सूत्रों का कहना है कि, यह आतंकवादी जुलाई में बंगाल से अरेस्ट हुए जेएमबी के आतंकवादियों से जुड़ा हुआ है। एनआईए ने मंगलवार को इस आतंकवादी को गिरफ्तार किया था।

ऐसा माना जा रहा है कि, इस आतंकवादी के अल-कायदा और हरकत-उल-जिहाद-अल-इस्लामी से लिंक हो सकते हैं और यह आशंका भी जताई जा रही है कि यह पश्चिम बंगाल में आतंकवादी मॉड्यूल सेटअप करने की तैयारी में था।

पश्चिम बंगाल में पिछले कुछ सालों में भारतीयों सहित कई जेएमबी के लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जेएमबी ने वर्ष 2016 में ढाका के एक लोकप्रिय कैफे में एक आतंकी हमला किया था, जिसमें 17 विदेशियों सहित 22 लोग मारे गए थे। वर्ष 2019 में एनआईए ने कहा था कि, जेएमबी भारत में अपना जाल फैलाने की कोशिश कर रहा है।

डेंगू से निपटने नौ राज्यों में भेजे गए केंद्रीय दल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने डेंगू बुखार के बढ़ते मामलो को देखते हुए हरियाणा, उत्तरप्रदेश, तमिलनाडु समेत नौ राज्यों में केंद्रीय दल रवाना किए हैं जो संबंधित सरकारों और स्थानीय प्रशासनों को स्थिति से निपटने में मदद करेंगे।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने यहां बताया कि, डेंगू के तेजी से बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुये केंद्र ने उच्चस्तरीय दल नौ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए तुरंत रवाना किए है। ये केंद्रीय दल डेंगू के प्रभावी नियंत्रण और प्रबंधन में जन स्वास्थ्य के उपायों में सहायता करेंगे।

मंत्रालय ने बताया कि, यह निर्णय एक नवंबर को डेंगू के हालात की समीक्षा करने के लिये बुलाई गई बैठक के दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया के निर्देश पर लिया गया है। हरियाणा, केरल, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली तथा जम्मू एवं कश्मीर में डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके अलावा श्री मांडविया ने जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में डेंगू के मामले अधिक आ रहे हैं, वहां फैरन सहायता पहुंचाई जाने को भी कहा है। पूरे देश में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में डेंगू के कुल एक लाख 16 हजार 991 मामले सामने आ चुके हैं।

केजरीवाल ने किया मुफ्त तीर्थयात्रा का वादा

पणजी। गोवा में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं और इसके लिए प्रदेश में कई पार्टियां जोर-शोर से जुटी हुई हैं। इनमें दिल्ली में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) भी प्रमुख दावेदार है। पार्टी की ओर से कई चुनावी वादे किए जा रहे हैं। इसी श्रंखला में दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने भी गोवा की जनता से एक वादा किया है, जिसे लेकर मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने उन्हें निशाने पर लिया है।

दरअसल, अरविंद केजरीवाल ने चुनाव जीतने पर राज्य में मुफ्त तीर्थयात्रा का वादा किया है, जिसे सावंत ने अपनी योजना बताया है। इसे लेकर सावंत ने कहा, 'मैंने इसका (मुफ्त तीर्थयात्रा) एलान अपने बजट में किया था और मेरी इस योजना को अधिसूचित भी किया जा चुका है। इसका पंजीकरण भी शुरू हो गया है। वह (केजरीवाल) मेरी योजना की नकल कर रहे हैं। वह इसके आदी हैं। वह एक 'कॉपी मास्टर' हैं।'

व्हाट्सएप पर दिया तलाक मान्य नहीं- हाई कोर्ट

बिलासपुर। व्हाट्सएप के जरिए मायके गई पत्नी को तीन तलाक देने का मामला बिलासपुर से सामने आया है। इस घटना में एफआईआर को निरस्त कराने तथा जांच कार्यवाही पर रोक लगाने हाई कोर्ट की शरण पहुंचे पति को बड़ा झटका लगा है। हाई कोर्ट ने याचिका में कहा कि, एफआईआर निरस्त नहीं हो सकती है। अब इससे याचिकाकर्ता की मुश्किलें और बढ़ गई है।

दरअसल, मामला रायगढ़ जिले के खरसिया निवासिनी जरी नाज की है। जरी नाज की शादी मध्यप्रदेश के अनुपपुर निवासी मो. अख्तर अंसारी से हुई थी। इन दोनों पति-पत्नी में आए दिन मारपीट और विवाद हुआ करता था। जिसके बाद व्हाट्सएप पर तीन तलाक देने का मामला सामने आया था।

पति ने किया प्रताड़ित

वहीं पति और ससुराल वालों की प्रताड़ना व मारपीट से तंग आकर पत्नी जरी नाज अपने मायके खरसिया में आकर रहने लगी थी। इस दौरान पति मो. अख्तर अंसारी ने जरी नाज को व्हाट्सएप में तीन तलाक मैसेज लिखकर भेज दिया था। जिस पर पत्नी जरी नाज ने पति और ससुराल वालों के खिलाफ थाने में दहेज प्रताड़ना और कार की डिमांड करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराया था।

क्या है कानून...?

गौरलतब है कि, 2019 में राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद तीन तलाक देना अपराध माना गया है। इसके तहत आरोपी को 3 वर्ष की सजा और उस पर जुर्माना लग सकता है। मौखिक, लिखित या किसी अन्य माध्यम से पति अगर एक बार में अपनी पत्नी को तीन तलाक देता है तो वह अपराध की श्रेणी में माना जाता है।

दीपावली पर होंगे घर-आंगन दीपकों, रंगोली और विद्युत सज्जा से रोशन

विजयी मुर्हुत में होगी महालक्ष्मी की पूजन

गौवर्धननाथ मंदिर पर संक्षिप्त रूप से मनाया जाएगा गाय-गौहरी पर्व, मंदिर में होंगे विभिन्न कार्यक्रम

माही की गूंज, झाबुआ।

देश का सबसे बड़ा त्यौहार दीपावली गुरूवार को हर्षोल्लास मनाया जाएगा। इस दिन सुबह से ही शहर में विशेष उत्साह देखने को मिलेगा। सुबह से लेकर शाम तक बाजारों में सजी दुकानों पर खरीदारी का दौर चलने के बाद शाम को लोग विजयी मुर्हुत में धन की देवी महालक्ष्मी, महासरस्वती एवं प्रथम पूज्य गणेषजी की विशेष पूजन बाद आतिश्बाजी कर खुशियां मनाएंगे। रात्रि में सभी घर-आंगन रांगोली के रंगों, दीपकों और विद्युत रोशनी से चकाचौंध होंगे। रात कर आतिश्बाजी का क्रम चलने के साथ अगले दिन नववर्ष पर घर-घर पहुंचकर शुभकामना देने और मेहमान नवाजी का क्रम चलेगा। गौ-माता की आरती-पूजन की जाएगी। पिछले वर्ष की इस तरह इस वर्ष आजाद चौक के समीप गौवर्धननाथ मंदिर परिसर में गाय-गौहरी का पर्व संक्षिप्त रूप से मनाते हुए मन्नतधारियों की मन्नते पूरी करवाई जाएगी। भगवान श्री राम, लक्ष्मण और माता सीताजी रावण का अंत कर 14 वर्ष के वनवास के बाद इस दिन अपने घर लौटे थे। जिसकी खुशियां पूरे राज दरबार में दीपकों और लाईटों से रोशनी तथा आतिश्बाजी कर मनाई गई थी। जिसके बाद से ही दीपावली पर्व दशकों से मनाया जा रहा है। इस दिन सभी लोग अपने घरों पर बालिकाएं एवं युवतियां घरों के आंगन-परिसर में सुंदर रांगोलियां बनाने के साथ संध्याकाल होते ही घरों के कोने-कोने में दीप सज्जा, आकर्षक विद्युत सज्जा कर मुर्हुत देखकर पूजन बाद पटाखे जलाकर खुशियां मनाई जाती है। दीपावली से ही शुभकामनाएं देने का क्रम आरंभ हो जाता है, जो भाई-दूज तक चलता है। शहर में दीपोत्सव को लेकर दिनभर उत्साह बना रहेगा।

- होटलों पर मिठाईयों की हो रहीं जमकर खरीदी।

- धानी-पताषे ठेलागाड़ियों पर बिक रहे है।

- गौ-माता को सजाने के लिए ग्रामीणजन पूंछे खरीद रहे है।

गौवर्धननाथ मंदिर में विशेष आयोजन

5 नंवबर, शुक्रवार को शहर के आजाद चौक के समीप श्री गौवर्धनाथ मंदिर गौ-वर्धन पूजन होने के साथ दिनभर विभिन्न आयोजन होंगे। मंदिर में स्थित गौ-शाला में भी सजावट कर सभी गौ-माताओं की आरती-पूजन की जाएगी। शाम 4 बज से मंदिर परिसर में होने वाला गाय-गौहरी पर्व पिछले वर्ष के अनुसार इस वर्ष भी संक्षिप्त रूप से मनाते हुए केवल 4-5 गायों को ही गौहरी स्थल पर आने की अनुमति दी जाकर मन्नतधारियों की मन्नते पूरी करवाकर उन्हें पुनः लौटा दिया जाएगा। हर वर्ष की तरह रहने वाली भीड़ नहीं रहेगी। थाना प्रभारी सुरेन्द्रसिंह गाडरिया ने बताया कि पुलिस सुरक्षा के विशेष इंतजाम रहेंगे। प्रशासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भ्रमण कर व्यवस्था देखी जाएगी। शनिवार को भाईदूज मनाया जाएगा।

शासकीय उत्कृष्ट उमा विद्यालय में जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

मप्र स्थापना दिवस के अवसर पर 1 नवंबर, सोमवार को शासकीय उत्कृष्ट उमा विद्यालय झाबुआ में जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जिलेभर की विभिन्न संस्थाओं ने सहभागिता की।

कुल 64 बच्चों ने ''आत्मनिर्भर मप्र'' थीम पर अपनी-अपनी कल्पनाओं से विभिन्न आयामों को प्रदर्षित किया। निर्णायक मंडल में वरिष्ठ रंगकर्मी पीडी रायपुरिया एवं ख्यात चित्रकार अंतिम मालवीय सम्मिलित थे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर शासकीय उत्कृष्ट उमा विद्यालय झाबुआ के कक्षा 12वीं के छात्र नंदलाल मावी रहे। द्वितीय स्थान उत्कृष्ट विद्यालय की ही कक्षा 12वीं की छात्रा कु. मिस्बाह सैयद ने प्राप्त किया। तृतीय स्थान शासकीय कन्या उमा विद्यालय झाबुआ की छात्रा कु. गौरी हसमुख मकवाना ने हासिल किया। संस्था प्राचार्य महेन्द्रकुमार खुराना ने समस्त विजेता विद्यार्थियों को बधाई प्रेषित की।

दीपावली के उपलक्ष में सुंदर रांगोलियां बनाई

इस दौरान दीपावली के शुभ अवसर पर संस्था के विद्यार्थियों ने आकर्षक रंगों से विविध रांगोलियां भी परिसर में बनाई। सभी विजेताओं को जिला प्रषासन की ओर से आकर्षक पुरूस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता प्रभारी श्रीमती सीमा चौहान थी। वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने में दिनेष चौहान, लक्की, मनीष एवं अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सराहनीय सहयोग प्रदान किया।

नगरपालिका ने वॉल पेटिंग एवं चित्रकारी प्रतियोगिता का किया आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

मप्र स्थापना दिवस के उपलक्ष में एवं स्वच्छता सर्वेक्षण-2022 अंतर्गत मुख्य नगरपालिका अधिकारी एलएस डोडिया के निर्देशानुसार शासकीय हाईस्कूल हुडा परिसर में प्राथमिक, माध्यमिक एवं हाईस्कूल के छात्र-छात्राओं ने वाल पेटिंग एवं चार्ट के माध्यम से कचरा संग्रहण, उसका पृथ्थक्कीकरण, पवन चक्की से ऊर्जा एवं प्रदूषण से संबंधित विषयों को लेकर चित्रकारी की।

उक्त चित्रकारी का अवलोकन एवं चयन हेतु शिक्षा विभाग के डीपीसी रालूसिंग सिंगाड़, नगरपालिका की ब्रांड एंबेसेडर सुश्री निधि ठाकुर, नगरपालिका के स्वास्थ अधिकारी युनूसउद्दीन कुरैशी, ज्योत्सना मालवीय, सुनिता वाजपयी, मीना ताहेड़, योजना बिलवाल, जहांआरा खान, बुद्धि चौहान आदि उपस्थित रहे। संयुक्त टीम ने वाल पेंटींग में शिरीन फातेमा कक्षा 9वीं का प्रथम पुरस्कार के रूप में चयन किया। शेष प्रतिभागियों के परिणाम एवं सम्मान पुरूस्कार तथा विद्यालय को स्वच्छता के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने हेतु आगामी दिनों में पुरूस्कृत किया जाएगा।

शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने निकले थाना प्रभारी और उनकी टीम, त्यौहार के चलते भीड़ बढ़ने से आवागमन में आ रहीं दिक्कतें

माही की गूंज, झाबुआ।

शहर में इन दिनों त्यौहारों के चलते बाजारों में अत्यधिक भीड़ होने से यातायता व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए एक ओर जहां यातायात पुलिस की टीम पूरी मुश्तैदी के साथ तैनात है वहीं पुलिस थाना झाबुआ की टीम भी इस कार्य में विशेष सहयोग प्रदान करते हुए शहर की ट्राफिक व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने में जुटी हुई है।

पिछले एक सप्ताह से पांच दिवसीय दीपवाली को लेकर बाजारों में जमकर खरीदारी का दौर चल रहा है। शहर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग मुख्य बाजाारों और प्रमुख मार्गों में सजी दुकानों पर खरीदारी के लिए पहुंच रहे है। इस बीच मुख्य बाजारों और मार्गो में व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए यातायात पुलिस ने जगह-जगह प्रमुख मार्गो और तिराहो-चौराहो पर बेरीकेट्स लगाकर व्यवस्था को सुचारू रखने के प्रयास किए है। इस बीच थाना प्रभारी सुरेन्द्रसिंह गाडरिया के नेतृत्व में पुलिस थाने की टीम भी प्रतिदिन मुख्य बाजारों और मार्गो में घूमकर ट्राफिक व्यवस्था को चुस्त-दुरस्त करने में जुटी हुई दिखाई पड़ रहीं है। मुख्य बाजारों और मार्गों में तीन एवं चार वाहनों के प्रवेश पर पूर्णतः प्रतिबंध रखा गया है। गुरूवार को दीपावली पर्व होने से बाजारों में विशेष भीड़ के दृष्टिगत यातायात पुलिस और पुलिस थाना की टीम की जगह-जगह तैनाती के साथ बाजारों का भ्रमण भी किया जाएगा।

जनसुनवाई में केवल 11 आवेदन, दीपावली के कारण आवेदन कम आए

माही की गूंज,झाबुआ।

डिप्टी कलेक्टर अंकिता प्रजापति द्वारा मंगलवार को जनसुनवाई में 11 आवेदन प्राप्त किए। कलेक्टर कार्यालय सभा कक्ष में अधिकारी आवेदकों का इंतजार करते रहे, किन्तु 11 आवेदकों द्वारा ही अपने आवेदन प्रस्तुत किए गए। जिसमें रूबिना खान पति स्व. शहिद खान चेतन्य मार्ग झाबुआ द्वारा मुख्यमंत्री कोविड-19 विशेष अनुगृह योजना एवं मुख्यमंत्री कोविड-19 अनुकंपा नियुक्ति योजना के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किए। केरिया पिता भीमा अमलियार ग्राम बावडी छोटी पुलिस चौकी पिटोल द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया। जिसमें रिपोर्ट नहीं लिखने बाबत प्रस्तुत किया गया। प्रधान प्रशासकिय समिति ग्राम बिसोली जनपद पंचायत झाबुआ द्वारा गुलाबी नदी पर पुलिया निर्माण स्वीकृत करने बाबत आवेदन प्रस्तुत किया गया। आलोक रावत जेल चोराहा विजय स्तंभ के पास राजपूत बोर्डिंग के पीछे द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया। जिसमें 6 माह से वेतन प्राप्त नहीं होने विषयक आवेदन प्रस्तुत किया गया।

जनसुनवाई में प्रजापति द्वारा निर्देश दिए गए कि सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर 7 दिवस के अन्दर प्राप्त प्रकरणों का निराकरण करे एवं इन आवेदन पत्रों की समीक्षा टीएल की बैठक में होगी। जनसुनवाई में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ एल.एन.गर्ग, अति. मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं उप संचालक सामाजिक न्याय दिनेश वर्मा, डिप्टी कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला बाल विकास विभाग डॉ. अभय सिंह खराडी, डिप्टी कलेक्टर एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे। शेष एस.डी.एम. राजस्व एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, समस्त तहसीलदार, वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे।

कलेक्टर मिश्रा ने मिट्टी के दिये विक्रय करने वालों को उपहार दिया

माही की गूंज, झाबुआ। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने 25 अक्टुंबर को एक आदेश जारी किया गया जिसमें आगामी त्योहारों को देखते हुए कुम्हारों द्वारा मिट्टी के दिए एवं ग्रामीणों द्वारा सामग्री विक्रय करने हेतु बाजारों में आने पर उन्हें पूर्ण सुविधाएं दी जाने के लिए आदेश जारी किया एवं नगर पालिका, नगर परिषद क्षेत्र में एवं हाट बाजारों में आने वाले ग्रामीणो से भी किसी प्रकार का कर नहीं वसूला जाए।

इस संबंध में कलेक्टर सोमेश मिश्रा बुधवार अचानक झाबुआ बाजार में पहुचें एवं मिट्टी के दीये बेचने वालो से चर्चा की एवं उनसे पुछा की आपसे यहां बैठ कर व्यवसाय करने के लिए कोई टेक्स तो नहीं ले रहा है। इस पर मिट्टी के दिये बेचने वालों ने बताया कि हमसे कोई टेक्स नहीं लिया जा रहा है। कलेक्टर मिश्रा ने मिट्टी के दिये बेचने वालों को उपहार भी दिया एवं दीपावली की शुभकामनाएं भी दी। मिश्रा ने यहां से दीये भी क्रय किए। मिश्रा ने निर्देशित किया कि धानी बेचने वाले एवं रांगोली आदि बेचने वाले जो रोड पर अपनी सामग्री बेच रहे है। उन्हे प्रोत्साहित करें एवं उनसे किसी भी प्रकार का टेक्स नहीं लिया जाए। इससे रोड पर सामग्री बेचने वालो की खुशी जाहिर की एवं कलेक्टर की सहृदयता का धन्यवाद दिया।

दीपावली पर्व के साथ गुनगुनी ठंड का होने लगा आभास किसानों ने रबी सीजन की तैयारियां की आरंभ

माही की गूंज, झाबुआ।

दीपावली पर्व के साथ पिछले 2-3 दिनों से ठंड यकायक बढ़ गई है। अधिकतम के साथ न्यूनतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा रहीं है। अब लोगो को ठंड से बचने के लिए स्वेटर, कोट, मफलर आदि का सहारा लेना पड़ रहा है। बाजरों में भी गराडू, जलेबी, गरमा-गरम दूध की दुकाने सज रही है।

प्रायः ठंड का प्रकोप अक्टूबर माह के आधे पखवाड़े बाद आरंभ हो जाता है, लेकिन इस बार ठंड ने करीब 15 दिन लेट दस्तक दी है। गुनगुनी ठंड का सुबह, शाम एवं रात्रि के साथ दोपहर में भी आभास हो रहा है। लोग सुबह अदरक और लोंग वाली चाय पीने के साथ सुबह एवं रात्रि में स्वेटर, कोट पहनकर निकल रहे है। घरों और दुकानों पर पंखों का उपयोग ना के बराबर हो गया है। ठंड की दस्तक के साथ ही अब किसान वर्ग रबी सीजन की तैयारियों में जुट जाएगा। रबी फसलों में गेहू, चना, सरसो आदि बोया जाएगा। पर्याप्त बारिष के बाद खरीफ फसल अच्छी होने से किसान वर्ग खुष है।

पिछले 4 दिनों तक का रहा तापमान

मौसम विभाग के तकनीकी अधिकारी राजेषकुमार त्रिपाठी ने बताया कि 31 अक्टूबर को अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री एवं न्यूनतम 11 डिग्री, 1 नवंबर को अधिकतम 31.5 डिग्री एवं न्यूततम बढ़कर 11.8 डिग्री, 2 नवंबर को अधिकतम 32.1 डिग्री एवं न्यूनतम 11.5 डिग्री तथा 3 नवंबर को अधिकतम 33.5 एवं न्यूतनतम 12.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रेकार्ड किया गया। जिले में विगत 1 जून से लेकर अब तक कुल 727.6 मिमी अर्थात करीब 29 वर्ष दर्ज की गई है।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा ईवीएम/वीवीपेट वेयर हाउस का निरीक्षण किया

माही की गूंज, झाबुआ।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गए निर्देश के पालन में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष गुप्ता द्वारा पोलेटेक्नीक कॉलेज झाबुआ में स्थापित ईवीएम/वीवीपेट वेयर हाउस का निरीक्षण किया एवं संधारित रजिस्टर में हस्ताक्षर किए। यहां पर मशीनों के सुरक्षित संधारण एवं सुरक्षा के संबंध में बाहरी निरीक्षण (वेयर हाउस का ताला खोले बिना अर्थात सील्ड वेयर हाउस) का निरीक्षण दिनांक 2 नवंबर 2021 को किया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री जे.एस.बघेल, निर्वाचन सुपरवायजर श्री प्रकाश सिंगाडिया उपस्थित थे।

झाबुआ के मध्य राजवाड़ा पर पुलिस विभाग द्वारा करवाया जा रहा निर्माण कार्य निरंतर विवादो के घेरे में आ रहा

फुटपाथ पर 10 फिट आगे अतिक्रमण को लेकर पार्षद की शिकायत पर अधिकारियों ने पहुंचकर किया निरीक्षण

माही की गूंज, झाबुआ।

शहर के मध्य राजवाड़ा पर प्राचीन श्री राम मंदिर के समीप इन दिनों पुलिस विभाग द्वारा निर्माण करवाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यहां पुलिस विभाग पुलिस चौकी का निर्माण कर रहा है। निर्माण कार्य फुटपाथ तक करवाने एवं अतिक्रमण को लेकर इस संबंध में वार्ड क्र. 6 के पार्षद अजय सोनी द्वारा पिछले दिनों षिकायत करने पर मंगलवार को यहां प्रषासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने पहुंचकर निरीक्षण कर जांच की।

ज्ञातव्य रहे कि यहां वर्षो पुराना पुलिस थाने का भवन जीर्ण-षीर्ण होने से वर्षाकाल में क्षतिग्रस्त होकर गिर गया था। जिसके बाद यहां पिछले कुछ महीनों से पुलिस विभाग द्वारा पुलिस चौकी हेतु निर्माण कार्य करवाए जाने से उसमें फुटपाथ पर अतिक्रमण कर लिया गया। जिसको लेकर शहर के जागरूक नागरिकों द्वारा इस सबंध में विरोध प्रकट करते हुए लगातार इस संबंध में नगरपालिका प्रषासन एवं पुलिस विभाग को षिकायत की जा रहीं थी।

झाबुआ के राजवाड़ा पर पुलिस विभाग द्वारा करवाया जा रहा पुलिस चौकी का निर्माण।

फुटपाथ पर निर्माण कार्य होने से जताई जा रही आपत्ति।

निरीक्षण कर जांच की

2 नवंबर, मंगलवार को दोपहर यहां पुलिस अधीक्षक आषुतोष गुप्ता, एसडीएम लक्ष्मीनारायण गर्ग, तहसीलदार आषीष राठौर, नगरपालिका सीएमओ एलएस डोडिया, राजस्व शाखा से उप-निरीक्षक अयूब खान, सब-इंजनियर सुरेष गणावा आदि ने यहां निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का पता किया। बाद अधीनस्थों को आवष्यक निर्देष दिए। इस दौरान सकल व्यापारी संघ के वरिष्ठ संरक्षक राजेन्द्र यादव एवं अध्यक्ष संजय कांठी के साथ अन्य गणमान्यजन भी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

खाद्य विभाग की कार्रवाई में 80 किलो मावा जप्त

माही की गूंज, थांदला।

कलेक्टर के निर्देष पर दीपावली त्योहार के मद्देनजर खाद्य विभाग व नापतोल विभाग द्वारा ग्राम काकनवानी मे संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए निगरानी निरीक्षण व नमूना संग्रहण की कार्रवाई की जा रही है। दोनो विभाग के अधिकारीयो ने छापामार कार्रवाई करते हुए काकनवानी की कई होटलो व किराना दुकानो पर जांच की। जांचदल ने मुखबिर की सूचना पर एक किराए के मकान मे मिठाई निर्माण के लिए लाए गए 80 किलो मावे को जप्त किया तथा मिल्क केक का भी नमूना जांच के लिए जप्त किया। नापतौल विभाग ने भी विधिक माप विज्ञान अधिनियम के अंर्तगत घोषणा अंकित नही होने पर प्रकरण दर्ज किया।

अरोड़ा बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष नियुक्त

माही की गूंज, थांदला।

राज्य शासन द्वारा किशोर न्याय बालकों की देखरेख एवं संरक्षण अधिनियम 2015 की धारा 23 उप धारा 1 व 2 के तहत अशोक अरोड़ा को बाल कल्याण समिति जिला झाबुआ का अध्यक्ष नियुक्त करते हुए प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट की शक्तियां प्रदान की गई है।इनके अतिरिक्त 4 सदस्य श्रीमती जया शर्मा महेंद्र राठौड़, प्रदीप जैन, विजय चौहान सदस्य मनोनीत किए गए।

श्री अरोरा सरस्वती शिशु मंदिर थांदला के संस्थापक सदस्य होकर अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ दिल्ली शाखा थांदला, महर्षि वाल्मीकि वंशज सेवाश्रम संघ थांदला के साथ जोड़कर शिक्षा एवं बाल कल्याण के क्षेत्र में कार्य करते रहे हैं। साथ ही विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक दायित्वों का निर्वाहन पूर्ण निष्ठा एवं नैतिकता पूर्वक करते हुए वर्तमान में हनुमान अष्ट मंदिर न्यास के अध्यक्ष हैं। अरोरा की नियुक्ति पर भाजपा अजजा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाभर, भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक, जिला महामंत्री कृष्णपाल सिंह गंगाखेड़ी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुनीता पवार, नगर परिषद अध्यक्ष बंटी डामोर, महर्षि दयानंद सेवाश्रम संघ के संचालक आचार्य दयासागर, अखिल भारतिय रामायण मेला समिति संयोजक नारायण भट्ट विश्वास सोनी, सरस्वती शिशु मंदिर के अध्यक्ष नीरज भट्ट, मधुसूदन व्यास, सुनील पंडा, लक्ष्मण राठौड़, पंकज राठौड़, रोहित बैरागी ने हर्ष व्यक्त कर शुभकामनाएं दी।

राठौर बाल कल्याण समिति के जिला कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त

माही की गूंज, झकनावदा।

युवाओ प्रेरणा स्त्रोत महेन्द्र राठौर स्वयंसेवक संघ के पद पर रहकर समाज सेवा कर चुके व सरस्वती शिशु मंदिर में प्राचार्य, ग्राम भारती के संकुल प्रमुख, सेवा भारती में जिला प्रशिक्षण प्रमुख, स्वामी विवेकानंद सामाजिक कार्य एवं ग्राम विकास संस्थान के सचिव के पद पर रहते हुए बाल श्रमिक एवं स्वच्छता समूह निर्माण पर कार्य कर चुके हैं। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर झकनावदा के धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों एवं झाबुआ जिले के ह्रदय स्थली कहे जाने वाले श्रंगेश्वर धाम में अपनी अमूल्य सेवाएं दे रहे महेंद्र राठौर बाल कल्याण समिति के जिला कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किए गए है।

महेंद्र राठौर के जिला कार्यकारिणी सदस्य बनने पर भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक, पूर्व जिलाध्यक्ष शैलेश दुबे, भूपेंद्र सिंह सेमलिया, शांतिलाल चौधरी, अभय वोहरा, वीरेंद्र गोस्वामी, गौरव अग्रवाल, प्रकाश राठौड़, लक्ष्मण चौधरी, प्रकाश राठौड़, निलेश सोनी सहित इष्ट मित्रों ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

भाजपा जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष का किया स्वागत

माही की गूंज, पेटलावद।

भाजपा जनजाति मोर्चा के झाबुआ जिला अध्यक्ष बनने पर अजमेर सिंह भूरिया को भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा रायपुरिया प्रथम आगमन पर स्वागत किया गया। स्वागत में मांगीलाल पडीयार, अभय जैन, वीरेंद्र गोस्वामी झकनावदा, पृथ्वीराज सिंह ठाकुर, कुलदीप लववंशी, चरण सिंह लववंशी, लिंबा वसुनिया तारखेड़ी, प्रेमचंद्र मुनिया बिजोरी, अनसिंह दायमा, तोलिया दायमा भूरीघाटी, जुवान सिंह धोली खाली, सामला भूरिया, दीता कटारा, गट्टू मचार चंद्रगढ़, रमेश सोलंकी, जमना लाल चौधरी आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रूप चौदस पर महिला-पुरूषों ने ब्यूटी-पार्लर और सेलून पर निखारा रूप, सौंदर्य प्रसाधनों की जमकर खरीदी की

आधुनिक दौर में ग्रामीण क्षेत्र के युवक-युवतियों में भी सजने-संवरने को लेकर दिख रहा है रूझान

माही की गूंज, झाबुआ।

– : ब्यूटी पार्लर पर अपने रूप को निखारते महिलाएं एवं युवतियां।

– : सेलून दुकानों पर भी दिनभर रहीं भीड़।

दीपावली से एक दिन पूर्व आने वाले रूप चौदस पर सुबह से ही महिला-पुरूषों की शहर के ब्यूटी पार्लर, सेलून दुकानों पर विषेष भीड़ देखने को मिली। इसके साथ ही सौंदर्य प्रसाधानों की दुकानों पर भी इस दिन लोगों ने पहुंचकर जमकर खरीदी की। समय के बदलाव के साथ ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में भी लगातार सजने-संवरने को लेकर क्रेज बढ़ता जा रहा है। इनकी भी भीड़ ब्यूटी पार्लर और सेलून पर नजर आ रहीं है।

पिछले एक सप्ताह से ही शहरी क्षेत्र के साथ आसपास के क्षेत्रों के ग्रामीण युवक-युवतियां भी ब्यूटी पार्लर-हेयर ड्रेसेस दुकानों पर पहुंचकर सज-संवर रहे है। ब्यूटी पार्लर पर महिलाएं, युवतियां एवं बालिकाएं फेषियल, आई-ब्रो, वैक्स करवाने के साथ अन्य प्रसाधान सामग्रीयों से सज रही हैं वहीं पुरूष वर्ग भी सेलून दुकानों पर सेविंग, कटिंग, मसाज आदि करवाकर अपने रूप में चार-चांद लाने में जुटे हुए है।

सभी दुकानों पर रहीं भीड़

बुधवार को रूप चौदस का विषेष दिन होने से शहर के सभी ब्यूटी पार्लरों और सेलून पर अत्यधिक भीड़ देखने को मिली। इन दुकानों पर सुबह से लेकर रात तक सजने-संवरने का कार्य चलता रहा। शहर के राजवाड़ा के समीप निहार ब्यूटी पार्लर की संचालक टीना बैरागी ने बताया कि पिछलेब एक सप्ताह से महिलाएं सजने-संवरने के लिए पार्लर आ रहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं और युवतियों में भी सौंदर्य के प्रति रूझान बढ़ा है। इसी प्रकार शहर के राधाकृष्ण मार्ग में सेलून व्यवसायी राजेष देवड़ा एवं जयेष देवड़ा ने बताया कि दिनभर दुकान पर भीड़ बनी रहीं। संजने-संवरने का क्रम दीपावली से लेकर देव उठनी ग्यारस तक चलता है। शादियों के चलते भी लोग संजने-संवरने के लिए सेलून पर आते है।

रूप चौदस पर हनुमान टेकरी पर श्री संकट मोचन हनुमान का किया गया विशेष श्रृंगार

आरती एवं प्रसादी बाद भक्तों को सिंदूर (मली) प्रदान की गई

माही की गूंज, झाबुआ।

श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर हनुमान टेकरी झाबुआ पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी रूप चौदस (काली चौदस) पर संकट मोचन का प्रातःकाल विषेष श्रृंगार मंदिर के सेवक पं. महेषचन्द्र बैरागी ने किया। शाम 7 बजे आरती कर प्रसादी वितरण के साथ आने वाले सभी भक्तों को हनुमानजी का सिंदूर (मली) प्रदान की गई।

ज्ञातव्य रहे कि पं. महेषचन्द्र बैरागी वर्षों से हनुमान टेकरी पर सेवाएं प्रदान कर रहे है। वह पूर्व में शासकीय उत्कृष्ट उमा विद्यालय झाबुआ में लेखापाल बाद वरिष्ठ व्याख्याता के पद पर भी पदस्थ हुए। बाल्याकाल से ही वह हनुमान टेकरी पर पूजारी के रूप में पदस्थ होकर सेवा कार्य कर रहे है। पीढ़ी दर पीढ़ी उनका यह सेवा कार्य जारी है। सेवक महेषचन्द्र बैरागी ने बताया कि रूप चौदस, जिसे काली चौदस भी कहा जाता है। इस दिन हनुमानजी का सिंदुर घर पर पूजा स्थान पर रखने एवं बच्चों को भी लगाने पर रोग-षोक, कष्ट आदि दूर होते है तथा सिंदुर (मली) की नित्य धूप-दीप करने से परिवार में सुख-समृद्धि भी बनी रहती हे। इसलिए भक्तजन इस दिन बड़ी संख्या में मंदिर पर आकर सिंदुर ले जाते है।

इनरव्हील क्लब ऑफ झाबुआ 'शक्ति' ने बाड़कुआ में स्कूली बच्चों के साथ मनाई दीपावली

माही की गूंज, झाबुआ।

इनरव्हील क्लब ऑफ झाबुआ 'शक्ति' ने 1 नवंबर, सोमवार को मप्र के स्थापना दिवस पर गोद लिए हुए ग्राम बाड़कुआ में शासकीय स्कूल के बच्चों के साथ दीपावली पर्व मनाया। इस दौरान उन्हें मनोरंजक खिलौने, पटाखे, मिठाई, चॉकलेट आदि वितरण किया गया। जिससे सभी बच्चो के चेहरे खुषी से खिल उठे।

जानकारी देते हुए क्लब अध्यक्ष ऋतु सोडानी ने बताया कि संस्था की समस्त पदाधिकारी-सदस्याएं दो पहिया वाहनों से बाड़कुआ पहुंची और यहां शासकीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं को आगामी पांच दिवसीय दीपालवी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए सभी बच्चो को सॉफ्ट टॉयज, फूलझड़ी, दीपक, मिठाई चॉकलेट, नमकीन आदि वितरित किए। मिठाई से ज्यादा बच्चे फूलझड़ी और टॉयज देखकर अत्यधिक खुश हुए। उस समय उनके एक्साइटमेंट को शब्दों में बयां करना भी मुश्किल है। बच्चों को क्लब मेंबर्स ने दीपावली की कहानी भी सुनाई तथा पर्व के महत्व के बारे में बताया।

यह रहीं उपस्थित

ज्ञातव्य रहे कि क्लब द्वारा पिछले दिनों अपने ''नेकी की एक्टीवा'' प्रोजेक्ट के तहत एडोप्ट गांव बाड़कुआ में ही बच्चों के साथ दीपावली मनाने का निर्णय लिया गया था। जिसके दृष्टिगत यह कार्यक्रम रखा गया। जिसमें क्लब अध्यक्ष ऋतु सोडानी के साथ सचिव हंसा कोठारी, संस्थापक डॉ शैलू बाबेल, कोषाध्यक्ष नेहा संघवी, सदस्य विधि धारीवाल, प्रीति चौधरी, निक्की जैन, निधीता रूनवाल, स्वीटी पाठक आदि उपस्थित थी।

शासकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम सम्पन्न

माही की गूंज, थांदला।

प्रत्येक व्यक्ति को पुरुषार्थ करना आवश्यक है, बिना पुरुषार्थ के सफलता नहीं मिलती है। आत्मनिर्भरता किसी भी व्यक्ति, समाज व देश के लिए प्रतिष्ठा सूचक होती है। प्रत्येक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनें और समाज व देश के विकास में सहायक बने। देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर शासन द्वारा आत्मनिर्भरता पर केंद्रित महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ÷आजादी का अमृत महोत्सव÷ के अन्तर्गत ÷जनभागीदारी से जन आंदोलन÷ की थीम पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. जीसी मेहता ने उक्त विचार व्यक्त किए। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. पीटर डोडियार ने विद्यार्थियों को शैक्षणिक जीवन में मिलने वाले अवसरों से लाभान्वित होने की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। डॉ. मीना मावी ने कार्यक्रम की थीम ÷जनभागीदारी से जन आंदोलन÷ के माध्यम से संगठन में ही शक्ति है के आधार पर अपने क्षेत्र की किसी भी प्रकार की समस्या जनभागीदारी एवं जन आंदोलन से समाधान करने पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में प्रो. मनोहर सोलंकी, प्रो. सी

एस चौहान, प्रो. हिमांशु मालवीय सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के प्रभारी प्रो. एच डूडवे ने तथा आभार राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संयोजक डॉ. बीएल डाबर ने माना।

आयुष विभाग ने धन्वंतरि जयंती एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाया

माही की गूंज, झाबुआ।

धन्वंतरि जयंती के उपलक्ष्य पर आयुष विभाग जिला झाबुआ द्वारा 6 वाँ राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाया गया, जिसके अंतर्गत 'पोषण हेतु आयुर्वेद' के थीम पर फूड फेस्टिवल एवं संगोष्ठी का आयोजन जिला आयुष कार्यालय झाबुआ में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा आयुर्वेद के प्रवर्तक भगवान धन्वंतरि के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन व कन्या पूजन कर किया गया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. प्रमिला चौहान ने पधारे अतिथियों का पुष्प गुच्छ के द्वारा स्वागत किया एवं स्वागत उद्बोधन के साथ आयुष विभाग के द्वारा की जा रही गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया। कलेक्टर मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि, आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान के साथ साथ सम्पूर्ण जीवन विज्ञान है, साथ ही सभागार में उपस्थित समस्त आयुष चिकित्सकों व पैरामेडिकल स्टाफ को संबोधित करते हुए कहा कि समाज मे आपकी सहभागिता ऐसी हो कि आयुर्वेद व योग के माध्यम से जनसमुदाय को होने वाली बीमारियों से पूर्व में ही सुरक्षित किया जाए एवं सुपोषण हेतु आयुर्वेद को अपनाने के लिए अधिक से अधिक लोगों को संगोष्ठियों के माध्यम से प्रेरित किया जाना चाहिए।आयुष विंग झाबुआ में पदस्थ वरिष्ठ आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. मीना भायल द्वारा कोरोना काल मे आयुष विभाग के द्वारा किए गए कार्यो की जानकारी दी गई एवं जिला आयुर्वेद चिकित्सालय के डॉ. कलम सिंह बारिया ने महिला एवं बाल विकास से आये कर्मचारियों व कार्यकर्ताओं को सुपोषण हेतु अभ्यंग व अश्वगंधा, बला ,शतावरी, जैसी बल्य औषधियों के प्रयोग पर परिचय दिया। जिला कलेक्टर व पधारे अतिथियों ने पोषण आहार से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया जिसका पूरा विवरण डॉ. कैलाश पाटीदार, डॉ. नीलिमा चौहान, डॉ. रागिनी शिवहरे, डॉ. गुफरान बैग द्वारा बताया गया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ. प्रवेश उपाध्याय ने धन्वंतरि वंदना प्रस्तुत करी व साथ ही आयुर्वेद के मूल सिद्धान्तों पर प्रकाश डाला। अतिथियों में डॉ. सीएल वर्मा, डॉ. एके पाठक, डॉ. वीडी शर्मा, डॉ. देराश्री आदि वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित रहे। आयुष विभाग द्वारा पधारे मुख्य अतिथि कलेक्टर व अन्य अतिथियों को भगवान धन्वंतरि का चित्र स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट किया गया। पधारे सभी अतिथियों का आभार डॉ. दीपेश कठौता द्वारा ज्ञापित किया गया।

अणु पब्लिक स्कूल में फेन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

माही की गूंज, थांदला।

अणु पब्लिक स्कूल में दिपावली महापर्व के उपलक्ष्य में नन्हें बच्चों के लिए फेन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया, जिसमें बच्चों के लिए रामायण पर आधारित कुछ पात्र का चयन किया गया। जिसमें बच्चों द्वारा श्री राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान, सरस्वती, लक्ष्मी एवं रावण की वेशभूशा धारण कर किरदार को निभाया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 83 बच्चों ने भाग लिया। किरदार के साथ-साथ बच्चों ने अपने किरदार के संबंध में डायलॉग का भी प्रदर्शन किया, जिसमें मुख्य रुप से हनुमान एवं रावण का किरदार निभा रहे बच्चों ने सभी का मन मोह लेने वाले डायलॉग ÷जय-जय श्री राम÷ और ÷मैं हुँ लंका पति लकेश÷ से इस आयोजन में मनोरजन का समा बांध दिया। कार्यक्रम के पश्चात प्राचार्या संध्या नायर द्वारा सभी बच्चों को पावन ग्रंथ रामायण की जानकारी दी एवं रामायण के सभी पात्रों का परिचय भी करवाया। उपरोक्त प्रतियोगिता में कक्षा नर्सरी में पूर्वांश नायक, एलकेजी में गर्विश जैन, यूकेजी में रत्न लोढा, पहली में मिस्का श्रीमार, दूसरी में भूमित आचार्य प्रथम रहे।संस्था द्वारा सभी बच्चों को सांतवना पुरस्कार भी वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन मोनिका शर्मा द्वारा किया गया। प्रबंधक प्रदीप गादिया, प्राचार्य प्रमोद नायर ने सभी बच्चों को शुभकामनाएं दी, आभार हर्ष गादिया व्यक्त किया।

हर्षोल्लास के साथ शासकीय आवासीय कन्या शिक्षा परिसर में मनाया गया मध्य प्रदेश स्थापना दिवस

माही की गूंज, थांदला।

शासकीय आवासीय कन्या शिक्षा परिसर में मध्य प्रदेश स्थापना दिवस एवं छात्रावास दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी शुरुआत मुख्य अतिथि मुख्य नगरपालिका नोडल अधिकारी भरत सिंह टांक एवं विशेष अतिथि सांसद प्रतिनिधि दिलीप कटारा, नगर परिषद अध्यक्ष थांदला बंटी डामोर, पूर्व मंडी अध्यक्ष मन्नू भाई डामोर, पार्षद सह मंडल अध्यक्ष थांदला गोलू उपाध्याय, सरपंच मानपुर बालू खड़िया, मंडल अध्यक्ष काकनवानी बाबू नीनामा, कान्तू मेड़ा व संस्था के प्राचार्य स्वरूप नारायण श्रीवास्तव के द्वारा मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित करके की गई। कक्षा 12वीं की छात्राओं द्वारा माँ सरस्वती वंदना व मध्य प्रदेश गान का गायन किया गया।

मुख्य अतिथि का स्वागत संस्था के प्राचार्य स्वरूप नारायण श्रीवास्तव के द्वारा व विशेष अतिथियों का स्वागत संस्था के समस्त शिक्षक/शिक्षिकाओं व छात्राओं द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया।

इस अवसर पर संस्था का वार्षिक प्रतिवेदन का वाचन छात्रावास अधीक्षिका श्रीमती ममता गरवाल द्वारा किया गया। संस्था में विभिन्न कार्यक्रम जैसे खेलकूद, सांस्कृतिक व साहित्यिक गतिविधियां निरंजन पाठक, विट्ठल करमदिया व प्रभात सिंह देवलिया के मार्गदर्शन में आयोजित की गई एवं मुख्य अतिथि व विशेष अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया, जिसमें कराटे प्रशिक्षण (नारी सशक्तिकरण) के प्रमाण पत्र भी सम्मिलित थे।

कार्यक्रम का संचालन सुनील व अनिल राठौर द्वारा किया गया। खेलकूद श्री चिराग कटारा, रमेश देवल व उमेश झणिया के द्वारा करवाए गए। सांस्कृतिक व साहित्यिक गतिविधियां श्रीमती संगीता वसुनिया, रेखा खपेड़ व योगिता शर्मा द्वारा करवाई गई।

उम्मीदों की दीपावली

वातावरण में अशुद्ध निखार आया है जमाने की खुशियां फिर लौट आई है, भारतीयों के चेहरे पर उम्मीदों की दीपावली फिर जगमगाएगी और जमाने की खुशियां फिर लौट आई है!

आस्था की किरण कभी धूमिल नहीं होती चाहे परिस्थितियां कितनी भी विकट बन जाए, सकारात्मक ऊर्जा के साथ हर भारती की उम्मीदें खुशियां बनकर दिवाली की तरह जगमगाएगी और जमाने की खुशियां फिर लौट आई है!

जीतेंगे हम इस कोरोना महामारी को हराकर विश्व को दिखा दिया, इंसानियत विश्वास में बांध रखा उन्हें पूरी तरह से हम भारतीयों ने पूरा आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता लिए देखा है। सारी दुनिया ने उम्मीदों के दीपावली हम मनाएंगे हमारे साथ पूरा विश्व भी रोशनी में नहाएगा जगमगाएगा उम्मीदों के दीपावली फिर जगमगाएगी और जमाने की खुशियां फिर हर चेहरे पर लौट आई है!

घर-घर दीप जलेंगे आसमान और धरती पर होगा सृष्टि का मिलन आकाश से होगा 'आनंद' की मुस्कुराहट देखते ही बनती है जुगनू की बारात 'मधुर' अपनी चरम सीमा को लांघ गई है सकारात्मक उम्मीदों की दीपावली फिर जगमगाए खुशियां फिर हर चेहरे पर लौट आई है।

लेखक:- आनंद सिंह सोलंकी

संपादकीय

फिर चरमराया स्वास्थ्य का बुनियादी ढांचा

ऐसे वक्त में जब देश कोरोना संक्रमण की गिरफ्त से मुक्त होता नजर आ रहा था, डेंगू का डंक कहर बरपाने लगा। जिसने एक बार फिर देश के बुनियादी चिकित्सा ढांचे की लाचारगी को उजागर किया। जांच के लिए पर्याप्त लैबों का न होना और सरकारी अस्पतालों में बढ़ते मरीजों के लिए बिस्तरों की कमी रोगियों की मुश्किल बढ़ा रही है। पंजाब में इस वर्ष पिछले वर्ष के मुकाबले तीन गुना मृत्यु होना संकट की स्थिति को दर्शाता है। समय पर रोग की पहचान न हो पाने के कारण प्लेटलेट में तेजी से गिरावट जानलेवा साबित हो रही है। कारगर चिकित्सा के अभाव में लोग परंपरागत तौर-तरीकों से जीवन रक्षा का प्रयास कर रहे हैं। कस्बों व छोटे शहरों में मरीज बेड और जरूरी किट के लिए जूझ रहे हैं। कई ऐसे विचलित करने वाले दृश्य समाचार पत्रों में नजर आए हैं, जिसमें एक बेड पर दो मरीज हैं या अस्पताल के गलियारों में रोगी ग्लूकोज ड्रिप के साथ लाचार नजर आ रहे हैं, जो हमारे स्वास्थ्य तंत्र की नाकामी को ही उजागर कर रहा है। कोविड संकट के बाद चिकित्सा व्यवस्था में सुधार के जो दावे किए जा रहे थे, उसकी कलई खुलती नजर आ रही है, जिसका खमियाजा आम लोग भुगत रहे हैं क्योंकि अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों व तकनीशियनों की कमी है। ऐसे वक्त में जब मानसून की समाप्ति पर हर वर्ष डेंगू का कहर बरपता है तो इसके लिए समय रहते तैयारी करनी चाहिए थी। कई स्थानों पर आवश्यक चिकित्सा मशीनों पर धूल का जमना, दुर्लभ संसाधनों की बेकद्री ही है।

एडीज मच्छर के काटने से होने वाली इस बीमारी की चपेट में आने वाले मरीजों की समस्या तब बढ़ जाती है जब निजी लैबों व अस्पतालों द्वारा मनमानी रकम वसूली जाती है। हालांकि, पंजाब सरकार ने सिंगल डोनर प्लेटलेट्स के साथ जांच व रक्त उपलब्धता के लिये कीमतों का निर्धारण किया है, लेकिन उसके बावजूद मरीजों से कई गुना रुपये वसूले जा रहे हैं।

सरकारों की दलील है कि, इस बार मानसून देर से गया और पश्चिमी विक्षोभ के कारण देर तक बारिश होने से डेंगू मच्छर के प्रजनन के लिए वातावरण बना है। लेकिन इसके बावजूद हर वर्ष फैलने वाली बीमारी को देखते हुए अतिरक्त सतर्कता बरतने की जरूरत थी। अस्पतालों में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के मरीजों के लिए अतिरिक्त बिस्तरों की व्यवस्था समय रहते की जानी चाहिए थी। दरअसल, एक समस्या यह भी है कि एडीज मच्छरों से होने वाले इस रोग के लक्षण हल्के होते हैं या जल्दी नजर नहीं आते। डेंगू नियंत्रण विभाग के अनुसार 75 फीसदी लोगों में इसके लक्षण शुरू में नहीं दिखाई देते। वहीं केवल 20 फीसदी लोगों में हल्के लक्षण ही नजर आते हैं तथा 5 फीसदी में ही गंभीर लक्षण नजर आते हैं। लगातार बढ़ती बीमारी बता रही है कि, इस रोग के कारणों व उपचार पर गहन मंथन हो। जिस तरह की मुहिम देश में मलेरिया उन्मूलन के लिए चली, उसी तरह डेंगू के खिलाफभी व्यापक अभियान चलाया जाए। पिछड़े राज्यों में ही नहीं, अपेक्षाकृत विकसित राज्यों महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा व पंजाब में डेंगू का प्रकोप बताता है कि, हम साफ-सफाई के प्रति गंभीर नहीं हैं। ऐसे में देश के दूर-दराज इलाकों व पिछड़े राज्यों में क्या स्थिति होगी, आकलन किया जा सकता है। कोशिश हो कि वे स्थितियां न बनने पाए, जिसमें डेंगू के मच्छर को पनपने का मौका मिलता है। गांव-कस्बों समेत छोटे शहरों में स्वच्छता की मुहिम चलाने की जरूरत है। लोगों को व्यक्तिगत स्तर पर सफाई मुहिम में भाग लेने के लिये प्रेरित किया जाए। शहर स्मार्ट बने या न बनें, लेकिन इतने स्वच्छ होने चाहिए कि, मच्छर जनित रोगों का प्रसार न हो सके।

विडंबना ही है कि, आजादी के सात दशक बाद भी हम सार्वजनिक स्वच्छता की सोच विकसित नहीं कर पाए हैं। अपने घर का कूड़ा निकालकर सार्वजनिक स्थलों पर डालने की मानसिकता से भी हम मुक्त नहीं हुए हैं। जब तक हम सफाई को अपना मौलिक कर्तव्य नहीं मानते तब तक डेंगू जैसे रोग रहेंगे।

दीपोत्सवः परोपकारी जीवन का आग्रह

दीपों का पर्व दीपावली, लक्ष्मी को प्रसन्न करने के रूप में मनाया जाता है। इससे जुड़े प्रचलित मिथकों में कमलारूढ़ लाल वस्त्रव, आभूषणयुक्त, स्वसर्ण व अन्नक से भरे पात्र के सहित सुख, समृद्धि, की देवी लक्ष्मी है जो सम्मोहक और चंचल हैं, जिसे बनाए रखना सतत संघर्ष है। दुर्लभ और बहुमूल्य हाथी उन पर पानी की बौछार करते हैं। उनकी बगल में उनकी जुड़वां बहन अलक्ष्मी बैठती हैं जो गरीबी, दुख और दुर्भाग्य की देवी हैं। कुछ कहानियों के अनुसार ये समुद्र मंथन के दौरान वासुकी नाग का विष है। क्योंरकि कचरा किसी भी निर्माण प्रक्रिया का अनिवार्य अंग है अतऐव इसका प्रबंधन भी अपरिहार्य हैद्ध शिव वैश्विक वस्तुरओं के प्रति उदासीन हैं इसलिए, वे इच्छित व अवांछितों में फर्क नहीं करते हैं। उनकी दृष्टि में हलाहल भी अमृत से अलग नहीं है इसलिए, वे विष धारण कर नीलकंठ कहलाते है। वैष्णव साहित्य में हालाहल को अलक्ष्मी से जोड़ कर देखा गया है जो दुर्भाग्य और दारिद्रय की देवी हैं और लक्ष्मी की जुड़वां बहन है। लक्ष्मी का संबंध मिष्ठान्न से है जबकि अलक्ष्मी का संबंध खट्टी और कड़वी वस्तुओं से। यही वजह है कि, मिठाई घर के भीतर रखी जाती है जबकि नीबू और तीखी मिर्ची घर के बाहर टँगी हुई देखी जाती है। लक्ष्मी मिष्ठान्न खाने घर के अंदर आती हैं जबकि अलक्ष्मी द्वार पर नींबू और मिर्ची प्राप्तट कर संतुष्ट हो लौट जाती हैं। दोनों को ही स्वीकार किया जाता है पर स्वागत का ही होता है। लक्ष्मी के दो रूप हैं, भूदेवी और श्रीदेवी। भूदेवी धरती की देवी हैं और श्रीदेवी स्वर्ग की देवी। पहली उर्वरा से जुड़ी हैं, जबकि दूसरी महिमा और शक्ति से। भूदेवी सोने और अन्न के रूप में वर्षा करती हैं दूसरी शक्तियां, समृद्धि और पहचान देती हैं। भूदेवी सरल और सहयोगी पत्नी हैं जो अपने पति विष्णु की सेवा करती हैं।

पुराणों में लक्ष्मी के तीन पितर हैं वरुण, पुलोमान और भ्राता। वरुण वेदों में असुर हैं, लेकिन जलस्रोत के रूप में कल्याणकारी होने के कारण पुराणों में वे देव माने गये हैं। पुराणों में पुलमन को असुर-राजा और भृगु को असुर-गुरु बताया गया है। इससे लक्ष्मी असुरों की पुत्री हुईं। पुराणों में देव और असुर दोनों ब्रह्मा की संतान हैं। देव पृथ्वी पर जबकि असुर पृथ्वी के नीचे रहते हैं। जल, बीज अंकुरण तत्व या खनिज संपदा जैसे सभी द्रव्यज पृथ्वी के भीतर मौजूद है, जिसके लिए हमें सूर्य, पवन, अग्नि और वर्षा ;इंद्र की आवश्यकता है, मानवीय पक्ष में इनकी तत्वों रचनात्मकता होने के कारण यह देवता बन जाते हैं जबकि मानवता विरुद्ध लक्ष्मी को साझा करने के कारण असुर राक्षस बन जाते हैं। मानव को पृथ्वी से धन प्राप्ति के लिए, कृषि और खनन प्रक्रियाओं पर आश्रित रहना पड़ता है।

असुरों के गुरु भृगु दूरदर्शिता से जुड़े हैं। उनका पुत्र शुक्र रचनात्मकता से जुड़ा है। जिनमें धन पैदा करने की संभावना अधिक है। इसीलिए लक्ष्मी को भृगु की पुत्री भार्गवी और शुक्र की बहन बनाता है। लक्ष्मी का महत्वस तब होता है जब वह अपने पिता से मुक्ती हो पृथ्वीत के ऊपर आती है। धन का निर्माण एक हिंसक प्रक्रिया है। खेत और मानव बस्तियों के लिए रास्ता बनाने के लिए जंगलों को नष्ट किया जाता है,जिससे कई जीवन प्रभावित होते हैं। कच्चे माल को उद्योगों के लिए जमीन से बाहर निकाला जाना अर्थात लक्ष्मी प्राप्त करने के लिए असुरों का विनाश का प्रतीक है। इसे मानव द्वारा निर्मित बर्तन के आविष्कार से समझ सकते हैं! जैसे पात्र में रखा जल आपके स्वावमित्व को दर्शाता है जो सांस्कृतिक हस्तक्षेप का प्रतीक है जबकि जंगल का जलस्रोत सभी प्राणियों के लिए उपलब्ध है। देवासुर संग्राम से मृत असुरों को संजीवनीविद्या से शुक्राचार्य पुनर्जीवित करते है, यह पृथ्वी की प्रजनन क्षमता का संकेत है, जो प्रतिवर्ष फसलों को वापस लाता है। फसलों की कटाई का कार्य देवों द्वारा असुरों की हत्या का प्रतीक है। यही कारण है कि, देव और असुरों के बीच चक्रीय संघर्ष तब तक कभी खत्म नहीं होगा जब तक मनुष्य प्रकृति के शोषण की तलाश करता रहेगा। इंद्र की पत्नी के रूप में लक्ष्मी को सचि के नाम से जाना जाता है और इंद्र को सचिन के नाम से जाना जाता है। क्योंकि वह कल्पतरू के कामधेनु, कौस्तुभ मणि अक्षय पात्र जैसे द्रव्यों के साथ आती है जो देवों को विलासितापूर्ण जीवन जीने में सक्षम बनाते हैं। उन्हें ,क भी दिन काम नहीं करना पड़ता है।

इस मनोवृत्ति का निराकरण के अन्यण तर्कों में जहां इंद्र अपनी ओर से लक्ष्मी से प्रसन्न हो सकते हैं, वहीं लक्ष्मी कभी भी इंद्र के बगल में आकर प्रसन्न नहीं दिखती। लक्ष्मी को कभी-कभी खजाने का जमाखोरी करने वाले यक्षों के धनी राजा कुबेर के बगल में बैठे हुए कल्पना की जाती है। कुबेर की पहचान कुछ ग्रंथों में इंद्र के कोषाध्यक्ष के रूप में है। चंचला होने के कारण कोई भी आश्वनस्तक नहीं होता कि, धन और भाग्य की देवी किसके पक्ष में होगी क्योंकि, वह बिना कारण अचानक दिखाई दे सकती है, और बिना किसी चेतावनी के छोड़ जाती है। रामायण में कुबेर के राज्य और सिंहासन पर उसका भाई रावण आधिपत्यध कर लेता है। साथ ही वह राम की पत्नी सीता का हरण कर लक्ष्मी को लाता है। महाभारत में कौरव अपने प्रतिद्वंद्वी चचेरे भाई पांडवों को लाखा महल में भस्मय करने का असफल प्रयत्नण करते हैं। बाद में वह पांडवों को जुए में हरा देते हैं। अपनी आजादी के बदले पांडवों को 13 वर्ष का वनवास काटना पड़ता हैं। इस प्रकार लक्ष्मी छल करके कौरवों के पास आती हैं लेकिन ताकत या छल के माध्यम से प्राप्त लक्ष्मी कभी स्था यी नही रह सकती। अतएव राम रावण का और श्रीकृष्ण दुर्योधन का उद्धार कर कर सुराज की स्थापपना करते हैं। ब्राह्मण ग्रंथों द्वारा दर्शाये गये वेदों के प्रारंभिक भाग में हमें गाय, घोड़े, अनाज, सोना, जैसे धन प्राप्त करने के अनुष्ठान मिलते हैं अर्थात धन को सुख में प्रवेश के रूप में देखा जाता है। अरण्यक और उपनिषद ग्रंथों द्वारा दर्शाए गए वेदों के उत्तरार्द्ध में धन को ईर्ष्या, मित्रों से हानि, परिवारिक कलह जैसे दुःख के रूप में देखा जाता है। वैदिक काल में धन की प्रकृति पर यह बदलाव इंद्र की स्थिति में परिलक्षित होता है। इंद्र वेदों के महान योद्धा राजा हैं, लेकिन पुराणों में उन्हे ब्रह्मा विष्णु और शिव से मदद मांगते हु, असुरक्षित और असहाय दिखाया गया है। विपुल धन के आगमन से प्राप्त दुख हमें वेदांत की ओर ले जाती है, जहाँ मन और संपत्ति के बीच संबंधों की विवेचना है । जब लक्ष्मी शिव या विष्णु का साथ देती हैं तो अलक्ष्मी ज्येष्ठा लक्ष्मी का साथ नहीं देती तब धन विवाद का कारण नहीं बनती ।

महर्षि दुर्वासा के श्राप के कारण एक दिन आवेश में लक्ष्मी स्वार्ग को छोड़ देती है। लक्ष्मी के लुप्त होने से इंद्र का स्वर्ग अपनी संपन्नता खो देता है। इच्छा पूरी करने वाली गाय दूध देना बंद कर देती है, मनोकामना पूरी करने वाला कल्प्वृक्ष फ्ल देना बंद कर देता है और कौस्तुलभ मणि अपनी चमक खो देता है, अक्षयपात्र खाली हो जाता है। लक्ष्मी को वापस स्वर्ग लाने का तरीका क्षीरसागर का मंथन करना है।

राकेश कुमार वर्मा

विष्णु की सलाह है कि, इंद्र सबसे पहले असुरों से मित्र बनाएं, क्योंकि सागर मंथन के लिए प्रतिबल की आवश्यकता होती है। इसके बाद वह मेरू पर्वत को धुरी और सर्पों के राजा वासुकी को रस्सी के रूप में प्रयुक्त कर समुद्र मंथन करें। कछुओं का राजा अकुपारा स्वयं विष्णु का एक रूप है, जिस पर मंथन की शुरुआत होती है।

अंत में कल्पतरू, कामधेनु, कौस्तुभ मणि और अक्षय.पात्र, स्वर्ग के सभी खजाने के साथ जल से अमृतपात्र के साथ लक्ष्मी उत्पन्न होती है। इसके अलावा सफेद दूध के रूप में, शाही शक्ति के प्रतीक हाथी ऐरवत और उड़ने वाला घोड़ा, उच्चैश्रवा उत्पन्न होते हैं। इसके अलावा रम्भा, सोम, चंद्रमा उत्पन्न होते हैं। विष्णु की युक्ति से लक्ष्मी द्वारा लाए अमृतपान का लाभ पाकर देव अमरत्व को प्राप्त होते हैं और मंथन से प्राप्त रत्नो से स्वर्ग को पुनः समृद्ध बनाने में जुट जाते हैं। यहां लक्ष्मी स्वयं विष्णु उन्मुख होती है, जो विष्णु को इंद्र से श्रेष्ठ स्थापित करता है। क्योंकि इंद्र का नाम इंद्रिकाओं या इन्द्रिय अंगों के लिए संकेत देता है जबकि विष्णु उद्यम की रचना कर समाज को लक्ष्मी से समुन्नत बनाते हैं। इंद्र मन का प्रतीक है जिसे वह व्यक्तिगत जरूरतों में व्यय करता है । जबकि शिव की तरह विष्णु परोपकार के लिए चिंतित हैं। जहां शिव दूसरों की भूख मिटाने के लिए समाज से पीछे हट जाते हैं, वहीं विष्णु मानवीय मूल्यों के लिए लोगों को उद्यमशील बनाते हैं । धर्म का अर्थ है- क्षमता का कुशल उपयोग। जैसे अग्नि का धर्म है दहन, जल का पोषण। लेकिन मानव के लिए यह स्पष्ट नही है कि वह धन का सृजन इंद्र की तरह केवल स्वयं की संतुष्टि के लिए करेगा या योगिराज शिव की तरह भूख पर नियंत्रण रखकर । शिव की तरह विष्णु भी जानते हैं कि, भोजन से भूख संतुष्ट नहीं होती। यह केवल भूख को बढ़ाता है। मानव किसी भी वस्तु से तृप्त नहीं हो सकता जब तक वह शिवत्वख को छोड़कर इन्द्रए का अनुकरण करता रहेगा।

सार्थक रहा जी-20

सिद्धार्थ शंकर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोम में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने विकसित देशों को पर्यावरण की रक्षा और हरित परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए कई मंत्र भी दिए। पीएम मोदी ने कहा कि, विकसित देशों को विकासशील देशों में हरित परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का कम से कम एक प्रतिशत प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि, भारत जलवायु वित्त की उपेक्षा को नजरअंदाज नहीं कर सकता है और इस पर ठोस प्रगति के बिना विकासशील देशों पर जलवायु कार्रवाई के लिए दबाव डालना न्याय नहीं था। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण पर जी20 शिखर सम्मेलन सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने आगे कहा कि, जलवायु न्याय को भूलकर हम न केवल विकासशील देशों के साथ अन्याय कर रहे हैं, बल्कि हम पूरी मानवता के साथ विश्वासघात कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि, विकासशील देशों की मुखर आवाज के रूप में, भारत विकसित देशों द्वारा जलवायु वित्त की उपेक्षा को नजरअंदाज नहीं कर सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि, विकसित देशों को विकासशील देशों में हरित परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का कम से कम एक प्रतिशत प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। जी-20 को पीएम मोदी ने तीन मंत्र दिए हैं। जी-20 देशों को एक स्वच्छ ऊर्जा परियोजना कोष बनाना चाहिए जिसका उपयोग उन देशों में किया जा सकता है जहां इसकी कमी है। जी-20 देशों में स्वच्छ-ऊर्जा अनुसंधान संस्थानों का एक नेटवर्क बनाना चाहिए। इसके अलावा जी-20 देशों को हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में वैश्विक मानक बनाने के लिए एक संगठन बनाना चाहिए, ताकि इसके उत्पादन और उपयोग को प्रोत्साहित किया जा सके। पीएम

मोदी ने कहा कि, अगर जी-20 इस दिशा में आगे बढ़ता है तो भारत भी इन सभी प्रयासों में अपना पूरा योगदान देगा। भारत जलवायु शमन के इस मुद्दे पर महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ रहा है। जब हमने पेरिस में अपने लक्ष्यों की घोषणा की, तो कई लोगों ने पूछा कि क्या भारत 175 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा जैसा कुछ करने में सक्षम होगा। लेकिन भारत न केवल तेजी से इन लक्ष्यों को प्राप्त कर रहा है बल्कि उच्च लक्ष्य निर्धारित करने में भी व्यस्त है।

सतत जीवनशैली पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंत्र सतत खपत और जिम्मेदार उत्पादन पैटर्न पर जी-20 का रोम घोषणा में परिलक्षित होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से जलवायु परिवर्तन पर विश्व की चिंताओं को उजागर किया गया। विकसित देशों की इसमें जो जिम्मेदारी होनी चाहिए उन्हें सामने लाया गया, जो उनकी कमियां रही हैं, उन्होंने उसे स्वीकार किया। जी-20 शिखर सम्मेलन में कृषि क्षेत्र में छोटे और सीमांत किसानों की आजीविका हमारा केंद्र बिंदु थी। हर कोई सहमत है कि, इनकी आजीविका में सुधार एक महत्वपूर्ण वैश्विक प्रयास है, जिसके लिए हमें काम करना होगा। जी-20 शिखर सम्मेलन में सतत विकास बिंदु संख्या 12 पर चर्चा की गई और उसे स्वीकार किया गया। इसका उद्देश्य विकसित देशों को उनकी शानदार और ऊर्जा की गहन खपत वाली जीवनशैली को कम करने के लिए प्रोत्साहित करना है। बैठक में ऊर्जा और जलवायु का मुद्दा चर्चा केंद्र में रहा। बैठक में भारत और कई अन्य विकासशील देशों ने विकासशील देशों के हितों को सुरक्षित रखने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी समेत जी-20 के नेताओं ने सहमति जताई है कि, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को कोरोना टीकों की आपातकालीन उपयोग मंजूरी को लेकर प्रक्रिया को तेज करने के लिए मजबूत किया जाएगा। रोम घोषणापत्र में सहमति जताई गई है कि, कोरोना टीकाकरण दुनिया के लिए फायदेमंद है।

जीवन की निरर्थकता और लोन की सार्थकता

संगीत का कार्यक्रम था, गायक ने जो गीत गाया, उसका आशय थाकृजीवन व्यर्थ टाइप है, सब कुछ राख हो जायेगा। हे मानव, तू कुल मिलाकर पांच मुट्ठी राख ही है। गीत का गहन असर हुआ मुझ पर, सब कुछ असर दिखने लगा कि एक पैंफलेट मुझे पकड़ाया एक बालिका ने, जिसमें मुझसे कर्ज लेने का आह्वान किया गया था। पैंफलेट का आशय था कि आप होमलोन 6.5 प्रतिशत पर, कार लोन 7 प्रतिशत पर, टू व्हीलर लोन 11 प्रतिशत पर लें और जीवन सफल बनाएं।

आलोक पुराणिक

जिस बालिका ने मुझे यह पैंफलेट दिया, उससे मैंने कहा, जीवन का मर्म मुझे गायक ने समझा दिया है, सब व्यर्थ है। व्यर्थ जीवन को तुम्हारा कार लोन

सार्थक नहीं बना सकता। बालिका हंसी और बोली, इस गायक को अभी मोटी फीस का पेमेंट होना है, उस फीस का भुगतान हमारे बैंक से होगा। हमारे बैंक ने इस संगीत कार्यक्रम को स्पांसर किया था। आप देख लीजियेगा, अभी गायक महोदय फीस पकड़ रहे होंगे, आपको जीवन की व्यर्थता का बोध कराके गायक महोदय महंगी गाड़ी में बैठकर घर जाएंगे। आप भी महंगी कार के लिए हमसे लोन लो।

समझ में आ गया है कि, गायक बता कुछ गया है, खुद कर कुछ रहा है। इधर गायकों और नेताओं में कुछ खास फर्क न रह गया है। स्पांसर बैंक है, उसे महंगी कारें खरीदवानी हैं, महंगा लोन देना है। हम जैसे लोगों को कन्फ्यूजन हो जाता है कि गायक का संदेश ग्रहण करें या बैंक की बात मानें। पर साहब गायक खुद बैंक से फीस वसूल रहा है। तो संदेश यह कि जीवन व्यर्थ है, इस किस्म का संदेश सुंदर गायन के जरिये देने के बाद उसकी मोटी फीस वसूल लेनी चाहिए। आम आदमी के कामन सेंस पर छोड़ देना चाहिए कि वह गायक की बात सच मान ले या फिर बैंक की बात मानकर लोन ले ले। कुल मिलाकर आम आदमी के लिए कन्फ्यूजन है।

खैर, साहब समझने की बात यह है कि, कार लोन सात प्रतिशत पर मिल रहा है, पर दोपहिया वाहनों के लिए लोन 11 प्रतिशत पर मिल रहा है। बैंक नहीं चाहता कि आप दोपहिया वाहनों पर चलकर अपनी बेइज्जती खराब करें। बेइज्जती को महंगा बना दिया है। बैंक ने 11 प्रतिशत पर कार लोन अब सात प्रतिशत पर। पैदल बंदा तो 100 प्रतिशत ही लाइफसे खेल रहा है अपनी, कोई भी आकर सड़क पर उसे मार सकता है। वक्त पेचीदा है। दोपहियां वाहन के लिए जो लोन ले, उसे ज्यादा ब्याज देना है। कार के लिए सस्ता कर्ज है। बैंक का बस चले तो कार नहीं बड़ी कार खरीदवा कर माने। लो जी वह गायक बहुत ही लंबी कार में बैठकर गया है, जो बता रहा था कि जीवन व्यर्थ है। लो जी लो कार लोन।

बिजली संकट से उबरने की बने नीति

डॉ. भरत झुनझुनवाला
आर्थिक विशलेषक

बीते समय बरसात में कोयले की खदानों में पानी भरने से अपने देश में कोयले का उत्पादन कम हुआ था। बिजली का उत्पादन भी कम हुआ और कई शहरों में पॉवर कट लागू किए गए। फिलहाल बरसात के कम होने से यह संकट टल गया है लेकिन यह केवल तात्कालिक राहत है। हमें इस समस्या के मूल कारणों का निवारण करना होगा अन्यथा इस प्रकार की समस्या बार-बार आती रहेगी।

वर्तमान बिजली संकट के तीन कथित कारणों का पहले निवारण करना जरूरी है। पहला कारण बताया जा रहा है कि, कोविड संकट के समाप्तप्राय हो जाने के कारण देश में बिजली की मांग बढ़ गई है, जिसके कारण यह संकट पैदा हुआ है। यह स्वीकार नहीं है क्योंकि अप्रैल से सितंबर 2019 की तुलना में अप्रैल से सितंबर 2021 में कोयले का 11 प्रतिशत अधिक उत्पादन हुआ था। इसी अवधि में देश का जीडीपी लगभग उसी स्तर पर रहा। यानी कोयले का उत्पादन बढ़ा और आर्थिक गतिविधि पूर्व के स्तर पर रही। इसलिए बिजली का संकट घटना चाहिए था, न कि बढ़ना चाहिए था जैसा कि हुआ है।

दूसरा कारण बताया जा रहा है कि, कोयले के खनन में बीते कई वर्षों में निवेश कम हुआ है। बिजली उत्पादकों का रुझान सोलर एवं वायु ऊर्जा की तरह अधिक हो गया है। यह बात सही हो सकती है लेकिन इस कारण बिजली का संकट पैदा नहीं होना चाहिए था। कोयले के खदान में जितने निवेश की कमी हुई है, यदि उतना ही निवेश सोलर और वायु ऊर्जा में किया गया तो कोयले से बनी ऊर्जा में जितनी कमी आयी होगी, उतनी ही वृद्धि सोलर और वायु ऊर्जा की तरह अधिक हो गया है। यह बात सही हो सकती है लेकिन इस कारण बिजली का संकट पैदा नहीं होना चाहिए था। कोयले के खदान में जितने निवेश की कमी हुई है, यदि उतना ही निवेश सोलर और वायु ऊर्जा में किया गया तो कोयले से बनी ऊर्जा में जितनी कमी आयी होगी, उतनी ही वृद्धि सोलर और वायु ऊर्जा में होनी चाहिए थी। ऊर्जा क्षेत्र में कुल निवेश कम हुआ हो, ऐसे संकेत नहीं मिलते हैं। इसलिए कोयले में निवेश की कमी को संकट का कारण नहीं बताया जा सकता।

हाल में आए बिजली संकट का मूल कारण ग्लोबल वार्मिंग दिखता है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण एक तरफबिजली का उत्पादन कम हुआ तो दूसरी तरफबिजली की मांग बढ़ी है। पहले उत्पादन पर विचार करें, जैसा ऊपर बताया गया है, बीते समय में बाढ़ के कारण कोयले का खनन कम हुआ था। यह बाढ़ स्वयं ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ी है, ऐसे संकेत मिल रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग से वर्षा कम समय में अधिक मात्रा में होने का अनुमान है जो कि बाढ़ का कारण बनता है। इसलिए बाढ़ को दोष देने के स्थान पर हमको ग्लोबल वार्मिंग पर ध्यान देना होगा। ग्लोबल वार्मिंग का दूसरा प्रभाव यह रहा है कि, अमेरिका के लुजियाना और टेक्सास राज्यों में कई तूफान आए। इन्हीं राज्यों में तेल का भारी मात्रा में उत्पादन होता है, जिससे विश्व अर्थव्यवस्था में तेल की उपलब्धि कमी हुई और कोयले का उपयोग बढ़ा। विश्व बाजार में कोयले की मांग बढ़ी, दाम बढ़े और हमारे लिए आयातित कोयला महंगा हो गया, जिसके कारण अपने देश में भी संकट पैदा हुआ। ग्लोबल वार्मिंग का तीसरा

प्रभाव चीन में रहा है। चीन के कई क्षेत्रों में सूखा पड़ा है, जिसके कारण जल विद्युत का उत्पादन कम हुआ है और कई क्षेत्रों में हवा का वेग कम रहा है, जिसके कारण वायु ऊर्जा का उत्पादन कम हुआ है। इन तीनों रास्तों से ग्लोबल वार्मिंग ने कोयले और बिजली की उपलब्धि को कम किया है। दूसरी तरफ ग्लोबल वार्मिंग के कारण ही ऊर्जा की मांग बढ़ी है। बीते वर्ष यूरोप एवं अन्य ठंडे देशों में सर्दी का समय लंबा खिंचा है, जिसके कारण वहां घरों को गर्म रखने के लिए तेल की खपत बढ़ी है। इस प्रकार ग्लोबल वार्मिंग के कारण एक तरफ बाढ़, तूफान और सूखे के कारण ऊर्जा का उत्पादन गिरा है तो दूसरी तरफमकानों को गर्म रखने के लिए तेल की खपत बढ़ी है। इस असंतुलन के कारण विश्व में तेल और कोयले का दाम बढ़ा है और इसका प्रभाव भारत में भी पड़ा है।

हम अपनी खपत का 85 प्रतिशत तेल और 10 प्रतिशत कोयला आयात करते हैं। यूं तो यह 10 प्रतिशत कम दिखता है लेकिन आयातित कोयले के महंगा हो जाने के कारण आयातित कोयले पर चलने वाले घरेलू बिजली संयंत्रों से बिजली का उत्पादन महंगा पड़ने लगा, जिसे बिजली बोर्डों ने खरीदने से मना कर दिया। कई बिजली संयंत्र बंद हो गए। इनके बंद होने से जो बिजली उत्पादन में कटौती हुई, उसकी पूर्ति अन्य माध्यम से नहीं हो सकी क्योंकि कोयले के घरेलू उत्पादन में कटौती हुई। इसलिए अपने देश में यह समस्या पैदा हो गई।

आने वाले समय में ऐसी समस्या पुनः उत्पन्न न हो, इसके लिए हमें दो कदम उठाने होंगे। पहली बात यह कि, देश में ऊर्जा का खपत कम करनी होगी। हमारे पास कोयले के भंडार केवल 150 वर्षों के लिए उपलब्ध हैं और तेल के लिए हम आयातों पर निर्भर हैं। इसलिए हमें देश में ऊर्जा के मूल्य को बढ़ाना चाहिए और उस रकम को ऊर्जा के कुशल उपयोग के लिए लगाना चाहिए। जैसे यदि सरकार बिजली का दाम बढ़ा दे और कुशल बिजली की मोटरों को लगाने के लिए सब्सिडी दे तो देश में ऊर्जा की खपत कम होगी लेकिन उद्यमी को नुकसान नहीं होगा और हमारा जीडीपी प्रभावित नहीं होगा। दूसरा, सरकार को बिजली के मूल्यों में उसी प्रकार मासिक परिवर्तन करना होगा, जिस प्रकार तेल के मूल्यों में दैनिक परिवर्तन किया जा रहा है। वर्तमान व्यवस्था में बिजली बोर्डों को उत्पादकों से ईंधन के मूल्य के अनुसार खरीदनी पड़ती है। जब अंतर्राष्ट्रीय कोयले अथवा तेल के दाम बढ़ जाते है तो इन्हें महंगी बिजली खरीदनी पड़ती है। लेकिन उपभोक्ताओं को इन्हें उसी पूर्व के मूल्य पर बिजली बेचनी पड़ती है क्योंकि उपभोक्ताओं को किस मूल्य पर बिजली बेची जाएगी, यह लंबे समय के लिए विद्युत नियामक आयोगों द्वारा निर्धारित किया जाता है। इसलिए बिजली बोर्डों के सामने संकट पैदा हो गया है। एक तरफउन्हें महंगी बिजली खरीदनी पड़ रही है लेकिन उपभोक्ता से वे पूर्व के अनुसार बिजली के कम दाम ही वसूल कर सकते हैं। इसलिए हमें व्यवस्था करनी होगी कि बिजली के दामों में भी उसी प्रकार परिवर्तन किया जाए, जिस प्रकार डीजल और पेट्रोल के दाम में परिवर्तन होता है। तब बिजली बोर्ड खरीद के मूल्य के अनुसार उपभोक्ता को महंगी अथवा सस्ती बिजली उपलब्ध करा सकेंगे और इस प्रकार का संकट पुनः उत्पन्न नहीं होगा।

गांधी सागर जलाशय एक बार फिर आया सुर्खियों में

बिजली और सिंचाई विभाग के बीच उलझा मामला

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

देश के दो राज्यों और करीब एक दर्जन जिलों में कृषि सिंचाई और पेयजल का बड़ा स्त्रोत गांधीसागर जलाशय एक फिर सुर्खियों में है। प्राकृतिक झील का दर्जा वाले इस जलाशय से कुछ दिन पहले बिजली उत्पादन शुरू किया गया था, लेकिन फिर अचानक बंद कर दिया गया है। दरअसल, मामला बिजली और सिंचाई के बीच का है। जलाशय की प्राथमिकता सिंचाई है या बिजली का उत्पादन यह चंबल की धाह और लहरों की ऊंचाई तय करती है, मतलब जलाशय में होने वाला जल संग्रहण। इस वर्ष अच्छी बारिश के बाद जलाशय का जल स्तर सिंचाई के बाद बिजली उत्पाद की राह खोल देगा और गांधीसागर से लंबे समय के बाद चंबल की उर्जा से नियमित टरबाइन चलाए जाएंगे।

मालवा के कृषि आधारित अहम जिले मंदसौर के भानपुरा क्षेत्र में चंबल नदी पर बना गांधीसागर बांध मध्यप्रदेश के साथ ही राजस्थान के लिए भी खास है। इसका ज्यादातर हिस्सा राजस्थान के कई जिलों को सीधा लाभ देता है तो सिंचाई व पेयजल के लिए भी बांध का पानी बड़ा स्त्रोत है। बांध का निर्माण सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता को ध्यान में रखकर किया गया था और योजना का दायरा भी खेत और किसान रखे गए। चंबल की उर्जावान लहरों से खेतों को लहलहाने के साथ ही बिजली उत्पादन का मैप भी तैयार किया गया। वर्ष 2019 की बाढ़ और बांध की बिजली यूनिट को हुए नुकसान के बाद इस वर्ष अच्छी बारिश से फिर से बिजली उत्पादन नियमित होने की उम्मीद बंधी है।

115 मेगावॉट बिजली उत्पादन क्षमता

गांधीसागर की बिजली यूनिट से करीब 115 मेगावॉट बिजली का उत्पादन किया जा सकता है। करीब दो वर्ष पहले तक सभी संसाधन उपलब्ध थे लेकिन बाढ़ के चलते यूनिट को काफी नुकसान हुआ था। इसके बाद डेढ़ वर्ष तक यूनिट सुधार और अन्य कारणों से नियमित बिजली उत्पादन नहीं किया गया। करीब एक वर्ष तक तो यूनिट ही बंद रही।

शुरूआती टरबाइन परीक्षण रहा सफल

लंबे अंतराल के बाद गांधीसागर बांध के पानी से बिजली यूनिट चलाने का परीक्षण हाल ही में पूरा हुआ है। टेस्टिंग पूरी तरह सफल रही और टरबाइन भी चलाए गए। हालांकि फिलहाल सिंचाई का समय है और बांध से पहली प्राथमिकता खेती और किसान है, इसलिए सिंचाई विभाग अनुबंध के आधार पर पहले सिंचाई का पानी उपलब्ध करा रहा है।

इसलिए अहम है गांधीसागर

गांधीसागर बांध मध्यप्रदेश के साथ ही राजस्थान के लिए बेहद उपयोगी है। वर्ष 1960 के आसपास बांध का निर्माण होने के बाद से ही चंबल का ज्यादातर पानी राजस्थान के कोटा और रावतभाटा में उपयोग में लाया जा रहा है तो मंदसौर, नीमच से लेकर रतलाम जिले के आलोट से लगे कुछ इलाकों तक पानी पहुंच रहा है। तीन वृहद सिंचाई परियोजनाएं भी इस बांध से जुड़ी हुई है। इस पर शुरूआती बजट अनुसार करीब 5 करोड़ की राशि खर्च कर जल विद्युत गृह निर्मित किया गया है, इसी यूनिट से बिजली उत्पादन होता है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर निकली मोटर साईकिल एवं सईकिल रैली

माही की गूंज, शाजापुर।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती ÷राष्ट्रीय एकता दिवस÷ के अवसर पर जिला मुख्यालय के महूपुरा से मोटर साईकिल एवं साईकिल रैली का आयोजित की गई। रैली को कलेक्टर दिनेश जैन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिसमे प्रशासनिक अधिकारियों के साथ में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं रैली में भाग लेने वाले प्रतिभागी उपस्थित थे। रैली के शुभारंभ पर स्व. सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर सभी अतिथियों ने माल्यार्पण किया। रैली महूपुरा से प्रारंभ होकर स्टेडियम प्रांगण में समाप्त हुई। रैली में नगर के गणमान्य नागरिकों, समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों, मीडिया प्रतिनिधियों, स्कूली छात्रा-छात्राओं, एनसीसी के कैडेट्स एवं पुलिस के जवानों ने हिस्सा लिया। जिसके बाद उत्कृष्ट विद्यालय में पुनः एक बार रैली का आयोजन किया गया। आजाद चौक होते हुए पुनः उत्कृष्ट विद्यालय पहुंची जहां पर राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई गई।

रैली के समापन पर कलेक्टर श्री जैन ने लौहपुरूष स्व. वल्लभ भाई पटेल के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि, उनका राष्ट्र को एक करने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कई कठोर निर्णय लेने के कारण उन्हें लौहपुरूष भी कहा जाता है। कलेक्टर ने सभी से कहा कि, स्व. सरदार वल्लभ भाई पटेल के कार्यों से हमें प्रेरणा लेकर राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का संकल्प लें। कार्यक्रम का संचालन हेमंत दुबे ने किया।

फसल अतिवर्षा से हुए नुकसान के लिए की मुआवजे की मांग

माही की गूंज, भानपुरा।

जिले के किसानों की फसल के नुकसान हेतू यूथ कांग्रेस प्रदेश सचिव व मंदसौर यूथ कांग्रेस प्रभारी दुर्गेश पटेल के द्वारा मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कर उचित मुआवजे की मांग की है। दुर्गेश पटेल ने बताया कि, मंदसौर जिले में गत दिनों में हुई, अतिवर्षा से फसलों को भारी मात्रा में नुकसान हुआ है, इससे किसान काफी परेशान व मायूस है, जिले में किसानों का जीवन यापन करना बहुत ही मुश्किल हो रहा है जिले के कई किसान अपना भरण-पोषण के लिए खेती पर आधारित है इस वर्ष हुई अति वर्षा के कारण किसान परेशानियां झेल रहा है। इसलिए मेरे द्वारा किसानों की बर्बाद हो चुकी फसलों का मुआवजा दिए जाने के संबंध में मुख्यमंत्री को पत्र लिखा गया है। कुछ दिन पूर्व दुर्गेश पटेल संगठन की मजबूती के लिए मंदसौर जिले के कई गांव में संपर्क के लिए पहुंचे थे वहां किसानों द्वारा इस समस्या से अवगत कराया गया था।

धूमधाम से मनाई सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती

माही की गूंज, कालापीपल।

तहसील के ग्राम खोकरा कला में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। खोकरा कला उपसरपंच राजू पाटीदार ने बताया कि, ग्राम में अखंड भारत के रचयिता लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 146 वी जयंती के उपलक्ष्य में मणि बस स्टैंड पर भव्य कार्यक्रम रखा गया, जिसमें ढोल नगाड़े व बैंड घोड़े के साथ बस स्टैंड से होकर मेन मार्केट, राजपूत मोहल्ला, भेरू जी गौहै व लाल दरवाजे से होकर मणि बस स्टैंड तक चल समारोह निकाला गया। कार्यक्रम का संचालक सरपंच रामेश्वर पाटीदार द्वारा किया गया व कार्यक्रम की अध्यक्षता रामेश्वर बारोड द्वारा की गई। क्षेत्रीय विधायक कुणाल चौधरी व पाटीदार समाज के सभी वरिष्ठ जन द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल व भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की गई। इस मौके पर पाटीदार समाज के जिलाध्यक्ष प्रकाश, शाजापुर पूर्व विधायक अरुणभीमावत, कालापीपल जनपद अध्यक्ष ममता संजू गामी व पाटीदार समाज के सभी वरिष्ठ जन के साथ गांव के सभी नागरिक उपस्थित रहे।

शासन की योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बने- प्रभारी मंत्री

माही की गूंज, शाजापुर।

प्रदेश एवं केन्द्र सरकार द्वारा नागरिकों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। जिले के नागरिक इन योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनकर प्रदेश के विकास में सहभागी बने। उक्त बात प्रदेश के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग राज्यमंत्री एवं शाजापुर जिला प्रभारी बृजेन्द्र सिंह यादव ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित हुए समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। इस मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, कलेक्टर दिनेश जैन, पुलिस अधीक्षक पंकज श्रीवास्तव, अम्बाराम कराड़ा, पूर्व विधायक अरूण भीमावद व पुरूषोत्तम चन्द्रवंशी, शिवनारायण पाटीदार, दिनेश शर्मा, संतोष बराड़ा, नवीन राठौर, शीतल भट्ट, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष प्रदीप चन्द्रवंशी, गोपाल राजपूत, जेपी मंडलोई, जगदीश पाल, रामप्रसाद चौधरी, विजय जोशी, आशुतोष श्रीवास्तव सहित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री श्री यादव ने कहा कि, आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की संकल्पना को क्रियान्वित करने की दिशा में राज्य सरकार बहुआयामी विकास की ओर अग्रसर है। जिले के नागरिक आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़े और प्रदेश के विकास में भागीदारी करे। शाजापुर जिला देश-प्रदेश के सशक्त और निर्भरता के अनुक्रम में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने स्थापना दिवस के पावन अवसर पर संबोधित करते हुए नागरिकों से आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा में सहभागिता करने का आव्हान किया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि, शाजापुर जिला ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। प्याज एवं संतरे की बंपर पैदावार के कारण शाजापुर जिले की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर निर्मित हुई है। जिले में नवकरणीय उर्जा के स्त्रोत तैयार किये जा रहे हैं। जिले की प्राकृतिक सौन्दर्यता भी लोगों को आकर्षित करती है। कोरोना काल में जिले में बेहतर काम हुआ है। कोरोना की तीसरी लहर को दृष्टिगत रखते हुए शाजापुर मुख्यालय एवं शुजालपुर के चिकित्सालय में ऑक्सीजन प्लांट लगाए गये हैं। अब ऑक्सीजन की कमी नहीं होगी। जिले में टीकाकरण का कार्य प्रगति पर है। साथ ही जिले में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना तथा बेटियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्मित आवासों को बेटी के नाम करने का अभिनव कार्य किया जा रहा है, जिसकी सराहना प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा भी की गई है। इसी के साथ ही जिले में आदर्श तहसील बनाने की दिशा में भी अभिनव कार्य किया जाकर गुलाना एवं पोलायकलां तहसील को आदर्श बनाया गया है। इस अवसर पर श्री अम्बाराम कराड़ा ने भी संबोधित किया।

कलेक्टर श्री जैन ने स्वागत उद्बोधन देते हुए जिले के कार्यों के बारे में बताया। सभी अतिथियों ने जिले के नागरिकों को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसवर पर लोक गायक प्रीतम मालवीय एवं बाबुलाल धोलपुरे के दल ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। इसी तरह इटर्नल विद्यालय की छात्राओं ने मध्यप्रदेश गान महारानी लक्ष्मीबाई की छात्राओं ने सरस्वती वंदना नृत्य, शासकीय उमावि क्रमांक एक की छात्राओं ने मध्यप्रदेश दर्शन एंव कौटिल्य विद्यार्थी की छात्राओं ने सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया।

वितरित किए पुरस्कार

इस अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वाले विद्यालयों की छात्राओं को सम्मानित करते हुए पुरस्कार दिया गया। साथ ही विगत दिनों विद्यालयों में हुई वाद-विवाद प्रतियोगिता में शामिल छात्र विवेक जाटव, अभिषेक, रोहित पंवार, हर्षिता राठौर, मनीष देवड़ा, सुरेश मेवाड़ा, राजेश देवड़ा, नवीन कुशवाह, पूजा राठौर, रितिक, हर्षिता मितौला, मानसिंह देवड़ा, निकिता, रोशनी, ज्योति को भी पुरस्कार स्वरूप प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कोरोना काल में उत्कृष्ट कार्य करने वाली अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती शैली कनाश, श्रम पदाधिकारी आरसी रजक, पीआईयू कार्यपालन यंत्री कोमल भूतड़ा, तहसीलदार राजाराम करजरे, नायब तहसीलदार आकाश शर्मा, ई-गवर्नेन्स के जेपी शर्मा, पटवारी भगवानसिंह भिलाला, अनुप्रिया गुप्ता, शफीक अहमद कुरैशी, निरूपम त्रिपाठी, कपिल गौड़, ललित कुंभकार, आत्माराम धानुक, प्रहलाद मंडलोई, संजय दशलानिया, भगवानसिंह गुर्जर एवं कैलाशचन्द्र मकवाना, एएनएम सुश्री रूबीना खान, दीपिका राठौर, वर्षा राठौर, प्रियंका अग्निहोत्री, ममता सांवले, हेमलता बौरासी, रीटा जोशी, रतन वर्मा, गुन्जा परमार, प्रभा शर्मा को भी प्रमाण पत्र दिए गए। कोरोना काल में शत प्रतिशत टीका कराने के लिए ग्राम पंचायत हनुखेड़ी की प्रधान श्रीमती लक्ष्मीदेवी वर्मा एवं रोजगार सहायक इंदरसिंह गुर्जर को भी प्रमाण पत्र दिए गए।

मिठाइयां, डेयरी उत्पाद खरीदने से पहले शुद्धता की जांच जरूरी

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

नकली उत्पाद और खाने-पीने की चीजों में मिलावट का धंधा दिनों-दिनों दिन बढ़ते ही जा रहा है। लोग नए-नए तरीकों से उपभोक्ताओं को लूटने के साथ स्वास्थ्यगत हानि पहुंचा रहे हैं। त्योहारी सीजन में दूध और उससे बने उत्पादों की काफी मांग होती है। अवैध धंधेबाज ऐसे अवसरों को खूब भूनाते हैं और दूध-घी से लेकर पनीर-मावा में जमकर मिलावट करते हैं। मिलावट युक्त मावा से बनी मिठाइयां भी बड़ी तादाद में बेची जाती हैं। ऐसे में किसी भी उत्पाद को खरीदने से पहले या घर लाने के बाद इनकी शुद्धता की जांच करना बेहद जरूरी है। दूध का इस्तेमाल मिठाई के लिए करते हैं। दूध ही नहीं, बल्कि दूध से बने उत्पाद भी आपके स्वास्थ्य के लिए जरूरी हैं। भारतीय घरों में दूध को किसी न किसी रूप में आहार में शामिल किया जाता है। लेकिन पिछले कई वर्षो में दूध और दूध से बने तमाम उत्पादों में मिलावट का खेल शुजालपुर मे जोरो से चल रहा है। खासतौर से धंधे में कमाई के चलते दुकानदार दूध, घी, मावा, पनीर, आदि में कितना कुछ मिलाकर लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं। खास बात तो ये है कि, एक आम व्यक्ति को इसमें मिलावट का जरा भी अनुमान नहीं होता। ऐसे में स्वास्थ्य खराब होता है, वो अलग। अगर आप जानना चाहते हैं कि दूध से बने उत्पाद जो आप खरीद रहे हैं, वो असली हैं या नकली, तो इसकी पहचान आप घर बैठे कर सकते हैं।

कैसे होती है मिलावट...?

दूध और दूध से बने उत्पादों जैसे पनीर, मावा, रबड़ी, मीठे दही आदि को साफ और शुद्ध दिखाने के लिए कई चीजें मिलाई जाती हैं। जैसे यूरिया, स्टार्च, वनस्पति, फॉर्मेलिन, सल्फ्यूरिक कोल तार डाई और ब्लोटिंग पेपर आदि। स्टार्च और वनस्पति कम मिलावटी हैं, जबकि तारकोल डाई में मौजूद कुछ हैवी मेटल्स मस्तिष्क को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इस मिलावट खोरी में शुजालपुर की दर्जनों दुकानें सम्मिलित हैं इस ओर विभाग का बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहा है।

"बधाई संदेश"

''समस्त क्षेत्रवासियों को दीपावली पर्व की बधाई'', देश पिछले दो वर्ष से कोरोना महामारी की मार झेल रहा है, लेकिन फिर भी लोगों के बीच त्यौहार को लेकर उत्साह और जीवन के प्रति सकारात्मक नजरिया देखने को मिल रहा है।

''मेरे पिताजी व गरोठ-भानपुरा के पूर्व विधायक स्वर्गीय राजेश जी यादव का सभी क्षेत्रवासियों से काफी लगाव रहा था, हर व्यक्ति की खुशहाली, समृद्धि हो उनका यही प्रयास रहता था। वह हमेशा से स्वदेशी उत्पादों, छोटे व्यापारियों को बढ़ावा देते थे।''

''प्रिय क्षेत्रवासियों यह दीपावली आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने का सुअवसर है। स्वदेशी वस्तुएं हमें अपनी संस्कृति व संस्कार से जोड़कर रखती है। खुशियों के पावन पर्व दीपावली पर 'वोकल फॉर लोकल'' अभियान को आगे बढ़ाते हुए स्वदेशी वस्तुएं खरीदकर स्थानीय कारीगरों का सम्मान करें और हमारी संस्कृति की अस्मिता को अक्षुण्ण रखने में सहयोगी बने!''

''स्वदेशी दीपावाली मनाएं, अपने घर के साथ देश को भी जगमगाएंगे। याद रहे, यह स्वदेशी मुहिम सिर्फ दीपावली ही नहीं, उसके बाद भी हमेशा चलती रहे।''

''आप सभी क्षेत्रवासियों को दीपों व रोशनी के पावन पर्व दीपावली की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर से प्रार्थना है, आप सभी के जीवन में सदैव खुशहाली आए, आप सभी स्वस्थ रहे मस्त रहे। व अपना आशीर्वाद ऐसे ही मुझ पर हमेशा बनाए रखें।''

विनीत राजेश यादव
(पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मोर्चा)

न्यूज ब्रीफ

23 पर्यवेक्षकों को जारी हुआ कारण बताओं सूचना पत्र

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने महिला एवं बाल विकास विभाग की 23 पर्यवेक्षको को अपने पदीन दायित्वो के निर्वहन एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना एवं लाड़ली लक्ष्मी योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही दिखाने पर शोकाज नोटिस जारी किया है। शोकाज नोटिस का उत्तर मय प्रमाण पत्र के प्रस्तुत न करने पर पद से पृथक करने की चेतावनी भी दी गई है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी आरएस गुण्डिया से प्राप्त जानकारी अनुसार जिन पर्यवेक्षको को शोकाज नोटिस दिया गया है। उनमें वझर की श्रीमती राधा भावसार, जामठी की श्रीमती संध्या गोहर, वरला की श्रीमती लीलावती शिन्दे, उपला की श्रीमती पुष्पा सोनी, मोरतलाई की श्रीमती मधुबाला चतुर्वेदी, राखीबुजुर्ग की श्रीमती गीता चौहान, धरोना की श्रीमती लता सैनानी, भागसुर की श्रीमती राधा यादव, बालकुआ की श्रीमती प्रीति वास्कले, बड़वानी शहर की सुश्री मुन्नी चौहान, ओझर की श्रीमती सरली मेहता, सौन्दूल की सुश्री विनिता पटेल, चाचरिया की सुश्री संध्या आलुने, पखालिया की श्रीमती रेवा बघेल, पाटी की श्रीमती सुमन चौहान, ओसाड़ा की श्रीमती बसंती भिड़े, गंधावल की श्रीमती कांती आर्य, जुलवानिया की श्रीमती कोमल सूर्यवंशी, चिखलिया की श्रीमती चम्पा रावत, बालसमुद की सूश्री गायत्री वाघे, सजवानी की श्रीमती कविता बर्डे, सेंधवा की श्रीमती भावना शर्मा, मनकुई की सुश्री रितु पंवार को शोकाज नोटिस जारी किया गया है।

स्वच्छता माह का हुआ समापन

माही की गूंज, बड़वानी।

भारत सरकार के खेल एव युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार जिले में भी नेहरू युवा केंद्र द्वारा स्वच्छता माह का आयोजन अक्टूबर माह में किया गया। इस अभियान के दौरान जिले के सबसे पिछड़े विकासखण्ड पाटी में एक हजार 760 किलोग्राम प्लास्टिक कचरा एकत्रित कर उसका उचित निपटान करवाया गया।

नेहरू युवा केन्द्र के जिला युवा अधिकारी नितेश कुमार सोनी के मार्गदर्शन मे चलाए गए इस अभियान में पाटी के स्वयंसेवक सावन चौहान एवं उनकी टीम द्वारा प्रतिदिन कम से कम 50 किलो प्लास्टिक कचरे का एकत्रिकरण का लक्ष्य निर्धारित कर कार्य को अंजाम दिया गया। इस कार्य में स्वच्छता दूतो, स्वच्छ भारत अभियान के स्वच्छताग्राहियों का भी सहयोग लिया गया। जिसके कारण इस विकासखण्ड के बड़े ग्राम पाटी, गंधावल, बोकराटा, रोसर मे रहवासियों के द्वारा भी सहयोग प्रदान किया गया। जिसका सकारात्मक परिणाम भी अब दिखाई देने लगा है। अब जहॉ ग्राम साफ-सुथरे नजर आने लगे है, वहीं विभिन्न शासकीय संस्था के पदाधिकारी भी अपने कार्यालय एवं उसके परिसर को प्लास्टिक कचरा मुक्त बनाने का जतन करने लगे है।

कलेक्टर ने जिलेवासियों को दी दीपोत्सव की शुभकामनाएं

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर मनोज पुष्प ने समस्त जिलेवासियों को दीपोत्सव की शुभकामनाएं दी है। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा, यह पर्व आप सभी के जीवन में ज्ञान, उर्जा, आरोग्य एवं समृद्धि से आलोकित रहे। उन्होंने सभी से अपील भी की है कि, कोरोना का खतरा अभी खत्म नहीं हुआ है। त्योहार पर कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन अवय करें। कोरोना वेक्सीन के दोनों डोज निचित रूप से लगवाएं।

कलेक्टर ने समस्त जिलेवासियों से आह्वान किया है कि, लोकल को वोकल बनाए जाने हेतु आवशयक है कि हमारे जिले के स्थानीय उत्पादों को हम खरीदे। उन्होंने समस्त जिलेवासियों से आह्वान किया है कि दीपोत्सव के दौरान स्थानीय उत्पादों को क्रय कर प्रोत्साहित करें।

त्योहारों के समय भी खाद्य विभाग की जांच टीम निष्क्रिय

माही की गूंज, मंदसौर।

दिपावली के अवसर पर खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच के मद्देनजर आज तक भानपुरा में खाद्य विभाग की टीम नहीं पहुंची। खेर बिना शिकायत के खाद्य विभाग यह नहीं आता या इसका एक कारण ये भी हो सकता हैं कि भानपुरा, मंदसौर जिले से करीब 130 किलोमीटर दूर होने के कारण जिलाधिकारी या अन्य अधिकारी यहां कम ही आते हैं, जिसके कारण नीचे स्तर के अधिकारी भी जमकर भ्रष्टाचार करते हैं, उन्हें उच्च अधिकारियों का कोई खौफ नहीं होता। फिर बात करें खाद्य विभाग की तो मंदसौर जिले के अंदर कहीं तहसीलों में खाद्य विभाग की टीम द्वारा सैंपल लिए जा रहे हैं या यूं कहें कि कार्रवाई की जा रही है तो वहीं भानपुरा में दिवाली के अवसर पर भी नाम मात्र की कार्रवाई भी कहीं नजर नहीं आई। विभाग की भानपुरा के प्रति इसी उदासीनता के चलते कई मिलावटखोरों के हौसले बुलंद हैं।

विदीत हो कि, केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2020 को दुकानों पर बेची जानी वाली खुली मिठाइयों की ट्रे पर मिठाई का नाम, उसे बनाने और एक्सपायरी डेट लिखने के आदेश जारी किए थे, लेकिन आदेश जारी हुए लेकिन हवा भी हो गए। यानी अगर मिठाइयां नमकीन बांसी भी बिक रही हैं तो पता नहीं चल रहा है। विभाग सैंपलिंग की कार्रवाई तो कर रहा है लेकिन सरकारी आदेश की पालना को लेकर सख्त नहीं है। इसी का फायदा दुकानदार उठा रहे हैं। हालांकि विभाग ने अभी सभी दुकानों की खाक नहीं छानी है। इक्का-दुक्का दुकानों से ही सैंपल कलेक्ट किए हैं। अधिकारियों की माने तो खुली मिठाइयों के सामने मिठाई की निर्माण तारीख और बेस्ट बिफोर यूज की डेट लिखना जरूरी है। जो नहीं लिख रहे हैं उन पर कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि, अब तक सिर्फपैकिंग मिठाई व सामानों पर ही एक्सपायरी डेट लिखी होती थी। जिसे देखकर उपभोक्ता सामान खरीदते थे लेकिन खुली मिठाइयां दिखने में सुंदर होती थीं और पता भी नहीं चलता कि इसे बनाएं कितना समय हो गया या कितनी पुरानी है। ऐसे में उपभोक्ता मिठाई खरीद लेते थे और दुकानदार भी नुकसानी से बचने के लिए उन्हें बेच देते थे लेकिन केंद्र सरकार ने सख्ती बरतते हुए खुली मिठाइयों की ट्रे पर उनके निर्माण और एक्सपायरी डेट लिखे जाने के आदेश जारी किए थे। भानपुरा में छोटी-बड़ी मिलाकर मिठाई-नमकीन की करीब 20 दुकानें हैं। दुकानों का जायजा लिया जाए तो ज्यादातर दुकानों पर न मैन्युफेक्चरिंग डेट लिखी है और ना बेस्ट बिफोर यूज की डेट। दुकानदार धड़ल्ले से मिठाई बेचे जा रहे हैं। ऐसे में सरकार के आदेश की जमीनी हकीकत वास्तविकता से बिलकुल उलट नजर आ रही है।

जिले में खाद्य पदार्थों की जांच की जिम्मेदारी जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की है। रूटीन कार्रवाई नहीं होने से दुकानदारों के हौसले बढ़ते हैं। उन्हें पता है खाद्य सुरक्षा विभाग नहीं आएगा जिले से बहुत दूर होने पर अधिकारी साहब यह तक आना अपनी जिम्मेदारी नहीं मानते दरअसल में दुकानदार धड़ल्ले से मिठाई बेचे जा रहे हैं। ऐसे में सरकार के आदेश की जमीनी हकीकत वास्तविकता से बिलकुल उलट नजर आ रही है। त्योहारी सीजन में मावे की मिठाई अधिक बिकती है और भाव भी ज्यादा होते हैं। दुकानों पर मावा बनाने वाले कम होते हैं। ज्यादातर लोग इधर उधर से ही मावा मंगाते हैं। तो नगर में कुछ होटल संचालक दूध की खरीदी कर मावा तैयार करते हैं। यही कारण है कि ज्यादातर दुकानदार मावे की मिठाई को पहले बनाकर रख लेते हैं। चूंकि फ्रीजर में पता नहीं चलता कि वो अच्छी है या एक्सपायर हो चुकी है। दुकानदार त्यौहारी भीड़ में ताजी मिठाइयों के साथ पुरानी मिठाइयां भी बेच देते हैं जिसका असर लोगों की सेहत पर पड़ता है।

क्यों होती है त्योहारों पर मिलावट...?

त्योहारों के समय मिठाईयों की मांग बहुत होती है। इसी का फायदा उठाकर मिलावटखोर, मावे व मिठाईयों में मिलावट करके उसकी मात्रा तो बढ़ा देते हैं, लेकिन उसकी गुणवत्ता पूरी तरह से खत्म हो जाती है। इसका नतीजा कई बार लोगों के बीमार होने, उल्टी, दस्त, घबराहट जैसे लक्षण होते हैं। दरअसल मिठाईयां बनाने के लिए दूध, मावे और घी की आवश्यकता होती है, जिसकी मांग सबसे ज्यादा होती है। लेकिन खपत बढ़ाने के लिए मिलावटखोर इन उत्पादों को सोडा, डिटरजेंट, व अन्य कई चीजों के प्रयोग से तैयार करके बाजार में बेचते हैं, जिसके दुष्परिणाम मनुष्य की स्वास्थ्य समस्याओं के रूप में सामने आते हैं।

एक्सपायरी तिथि के खादय पदार्थ के पैकेट मिलने पर गोदाम हुआ सील

माही की गूंज, बड़वानी।

एसडीएम बड़वानी घनश्याम धनगर ने खादय, नगर पालिका के अमले के सहयोग से नगर के झामरिया गार्डन पर स्थापित हर्ष इन्डस्ट्रीज के फैक्ट्री सह गोदाम पर छापा मारकर एक्सपायरी तिथि के पापड़ के पैकेट एवं खमण, गुलाब जामुन के आटे तथा मैदा के पैकेट मिलने पर गोदाम को सील कर विस्तृत जॉच करने के निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिए है।

इसी प्रकार एसडीएम के नेतृत्व इस टीम के पदाधिकारियों ने फूलचन्द्र नेमीचन्द्र एण्ड सन्स के नेमिनाथ नगर स्थित तैयार खादय सामग्री के बड़े गोडाउन का औचक निरीक्षण करने पर एक्सपायरी तिथि के सड़े हुए खादय पदार्थ जैसे खराब गुड़, खराब मैदा सहित अन्य सामग्री पाए जाने पर इसे भी सील करवाया है। उक्त कार्रवाई में एसडीएम के नेतृत्व में नगर पालिका सीएमओ कुशलसिंह डोडवे, महिला एवं बाल विकास विभाग के सहायक संचालक अंजय गुप्ता, खादय विभाग के व्हीएस मोर्य एवं पंकज अंचल का सराहनीय सहयोग रहा।

फटाके जैसे आवाज करके बुलेट चलाने वालों पर लगेगा साढ़े 6 हजार रुपए का जुर्माना

माही की गूंज, बड़वानी।

हाल ही में शहर में देखने में आ रहा है कि रात्रि के समय में अधिकांश बुलेट चालक काफी तेजी से फटाके जैसी आवाज करते हुए बुलट चलाते हैं, जिससे काफी शोरगुल होता है एवं सामान्य नागरिक को काफी असुविधा होती है। उसी को देखते हुए एसपी दीपक कुमार शुक्ला ने इस प्रकार से वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए टीआई राजेश यादव को निर्देशित किया था। टीआई के द्वारा अपनी टीम के उप निरीक्षक अजमेर सिंह अलावा, आरक्षक योगेश्वर चौहान, यागवेंद्र, मुकेश मंडलोई, चंपालाल के साथ कार्रवाई करते हुए दो बुलेट चालकों को पकड़ा। जिनके साइलेंसर चेक करने पर साइलेंसर कंपनी के द्वारा दिए गए साइलेंसर न होकर मोडिफाइड साइलेंसर होना पाया गया। बुलेट पर रजिस्ट्रेशन नंबर का नही होना पाया गया। एक बुलेट चालक के पास गाड़ी चलाने का लाइसेंस होना भी नहीं पाया गया जो मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं का उल्लंघन होने पर प्रत्येक पर 6 हजार 500 का जुर्माना किया गया।

केदारनाथ में आदिशंकराचार्यजी की मूर्ति का होगा अनावरण

माही की गूंज, बड़वानी।

5 नवम्बर को केदारनाथ में आदिशंकराचार्य जी की मूर्ति का अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा किया जाएगा। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण बड़वानी जिले के भी ओझर शिव टेकड़ी एवं बड़वानी के रामकुलेश्वर में दिखाया जाएगा।

संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव शिवशेखर शुक्ला द्वारा जिलो को भेजे गए परिपत्र में बताया गया है कि, भारत के महान सन्त आदिशंकराचार्य जी की प्रतिमा का अनावरण प्रधानमंत्री द्वारा केदारनाथ में 5 नवम्बर को किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण मध्यप्रदेश के भी उन स्थानो पर किया जाएगा। जिनका स्पर्श आचार्य शंकर द्वारा किया था। इन स्थानों पर आचार्य शंकर जी के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन एवं पुष्पांजलि, शिव तथा आचार्य शंकर का अभिषेकम, शंकराचार्य विरचित स्त्रोतो का पाठ, भाष्य ग्रन्थो का पारायण किया जाएगा। इसमें मध्यप्रदेश के 122 स्थानों पर उक्त कार्यक्रम किये जाएंगे। जिसमें बड़वानी जिले के भी दो स्थान सम्मिलित है।

धनवंतरि जयंती पर पूजन कर आयुर्वेद संगोष्ठी का किया आयोजन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिला आयुष कार्यालय अलीराजपुर में भगवान धनवंतरी की जयंती पर भगवान धनवंतरी के चित्र का पूजन कर आयुर्वेद के महत्व का व्यापक स्तर पर प्रसार करते हुए आमजन को निरोग रखे जाने हेतु आयुर्वेद के ज्ञान को पहुंचाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर आयुष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला आयुष अधिकारी डॉ. नयनसिंह वास्कले सहित अन्य स्टॉफसदस्य उपस्थित थे।

दीपावली पर बच्चों को वितरित किए उपहार

माही की गूंज, अलीराजपुर।

दिपावली के शुभ अवसर पर प्रा.वि उमराली विद्यालय के 40 बच्चों को स्कुल बेग, फुलझडियां, मिठाई का वितरण किया। वितरण कार्यक्रम पालक शिक्षक संघ की अध्यक्ष श्रीमती गुगली बाई सस्तिया व पालक के हाथों करवाया। इस दौरान छात्र हर्ष उल्लास के साथ आनंदित दिखे। छात्रों ने प्रतिदिन विद्धालय आने की शपथ ली। इस अवसर शाला प्रभारी श्रीमती पूर्णिमा व्यास ने छात्रों को दिपावली की शुभकामनाएं देते हुए, स्वच्छता, स्वास्थ के प्रति जागरूकता की समझाइश दी। आभार शिक्षक दुरसिंह भिण्डे ने व्यक्त किया।

कैबिनेट मंत्री ने लोनसरा खुर्द के खेतों में पहुंचकर अदरक की फसल का किया निरीक्षण

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले के प्रभारी मंत्री हरदीपसिंह डंग ने 2 दिवसीय अपने दौरे के दौरान लोनसरा खुर्द के कृषक मोहन परमार के खेत पर भी पहुंचकर एक जिला, एक उत्पाद के तहत चयनित अदरक फसल का निरीक्षण किया।

इस दौरान कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने उन्हें बताया कि, एक जिला, एक उत्पाद के तहत अदरक फसल का चयन बड़वानी जिले के लिए किया गया है। इस अदरक की फसल को प्रोत्साहन देने के लिए जहॉ कृषको की संगोष्ठी का आयोजन कर जानकारी दिलवाई जा रही है, वहीं किसानो का एफपीओ भी बनवाकर उन्हें आदरक की प्रोसेस इकाई स्थापित करने का कार्य प्रारंभ है।

इस दौरान श्री डंग ने कृषक से भी चर्चाकर रासायनिक उर्वरको की उपलब्धता एवं अदरक फसल की स्थिति एवं विक्रय संबंधी जानकारी प्राप्त की। वहीं मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर आयोजित मुख्य समारोह के दौरान ग्राम हरिबड की कृषक श्रीमती मंजू गेहलोत को अदरक प्रसंस्करण उद्योग की स्थापना हेतु 24 लाख 4 हजार के ऋण स्वीकृति पत्र एवं 3 स्वसहायता समूह को सीड केपिटल राशि हेतु प्रत्येक किसान को 40 हजार रूपए का प्रमाण-पत्र भी वितरित किया।

किसानों को वितरित की भू-अभिलेख एवं ऋण पुस्तिका

प्रभारी मंत्री हरदीपसिंह डंग ने जिले में प्रारंभ हुए राजस्व रेकार्ड शुद्धिकरण पखवाड़े के तहत प्रतिकात्मक रूप से कुछ किसानों को नवीन भू-अभिलेख एवं ऋण पुस्तिका का वितरण किया।

इस दौरान कलेक्टर ने बताया कि, शासन के निर्देशानुसार जिले में भी राजस्व रिकॉर्ड शुद्धिकरण पखवाड़ा प्रारंभ किया गया है। इसके लिए जिले में मैदानी अमले को प्रशिक्षित भी करवाया गया है। जिससे जिले में संधारित शत-प्रतिशत राजस्व रिकॉर्ड को परीक्षण कर उसमें विद्यमान कमी या त्रुटि को दूर किया जा सके। जिससे किसानों को अनावश्यक रूप से होने वाली परेशानियो से निजात मिल सके।

दीपोत्सव के पूर्व जरूरतमंद बच्चों को वितरित किए नवीन कपड़े

माही की गूंज, बड़वानी।

बाल कल्याण समिति सेंव द चिल्ड्रन संस्था व चाईल्ड लाईन बड़वानी के सदस्यो ने जरूरतमंद बच्चो तक पहुॅच कर उन्हे दीपोत्सव पर्व के पूर्व नवीन कपडों का वितरण किया है।

कार्यक्रम के दौरान सेंव द चिल्ड्रन संस्था के जिला परियोजना समन्वयक मनीष गुप्ता ने बताया कि, इस आयोजन का उद्देश्य जरूरतमंद बच्चो तक दीपोत्सव की खुशिया पहुॅचाना है जिससे की वें भी दीपोत्सव के त्यौहार को अच्छे से मना सकें। इसी दौरान जिला बाल कल्याण समिति के सदस्य श्री आंनद सोनी ने बच्चो के क्षेंत्र मे कार्यरत् प्रत्येंक संस्था को इसी प्रकार के आयोजन करने का आव्हान किया।

कार्यक्रम मे चाईल्ड लाईन की जिला परियोजना समन्वयक श्रीमति ललीता गुर्जर, सेव द चिल्ड्रन संस्था से मनीष गुप्ता, निलेश सनोठिया, सुश्री श्रुति दुबे, सुश्री अंजली मेंहता, भोपा राठौर, गणेश वर्मा, मोनिका धनगर सहित जरूरमंद बच्चे व उनके माता-पिता उपस्थित थे।

कड़ी मेहनत से बनते है दीपक, अमावस की अंधियारी रात में रोशनी देते है दीपक

नहीं मिलता है मेहनत का लाभ अंधेरे से हो रहा मोहभंग

माही की गूंज, आम्बुआ।

महंगाई के समय में भी मिट्टी के दीऐ सस्ते मिल जाए इसके लिए कुम्हार रात-दिन कड़ी मेहनत कर दियो का निर्माण करते हैं। उनकी अथक मेहनत का सही मूल्य फिर भी नहीं मिल पाता है। यही कारण है कि, अब इस व्यवसाय उद्योग से यह जाति पीछे हटती जा रही है।

दीपावली पर विद्युत सज्जा या बाजार में बिकने वाली महंगी सामग्री खरीद कर घर द्वार भले ही सजा दिए जाएं, रोशनी की कितनी ही मनमोहक व्यवस्था कर रोशनी बिखेरी जाए, मगर बगैर मिट्टी के दीपकों के शायद लक्ष्मी जी प्रसन्न नहीं होती है। पूजा में तथा घरों और घरों के बाहर धनतेरस से लेकर एक सप्ताह तक जो रोशनी की छटा नजर आती है वह मिट्टी के दीयों से आती है। इन? दियों को बनाने में कुम्हारों को कितनी मेहनत करना पड़ती है मिट्टी लाना, गीला कर उसे ÷रूधना÷ बड़े गोले बनाकर चाक पर रखना, चाक चलाना, उनसे छोटे-छोटे लाखों की संख्या में दीपक बनाना, उन्हें सुखाकर पकाना, पकाने के लिए ईंधन की व्यवस्था करना, कितना कठिन होता है यह इनके पास आकर देखा जा सकता है। जिसके बाद बाजार तथा घर-घर जाकर बेचना वह भी अधिक मेहनत परिक्रमा करने के बावजूद कम भाव में बेचना पढ़ते हैं।

बने हुए दीपक बच जाए तो वर्ष भर संभाल कर रखना कितना कठिन कार्य होता होगा।

हमारे संवाददाता को आम्बुआ प्रजापत समाज के पटेल राजू भाई बताते हैं कि, उनकी कई पीढ़ियां मिट्टी के बर्तन आदि बनाती आ रही है मगर अब समाज के कई परिवार इस धंधे को छोडकर अन्य व्यवसाय में लग रहे हैं। समीप ग्राम बोरझाड़ जो कि प्रजापत समाज बाहुल्य ग्राम है, अनेक परिवारों ने मिट्टी के बरतन आदि बनाना बंद कर दिया है।

यहां के शिक्षित परिवार के पूना उर्फ अमित गोयल बताते हैं कि, समाज के अधिकांश परिवार शिक्षित हो रहे हैं परिवारों में शिक्षित बेटियां बहुऐ है जो कि, यह कार्य नहीं करना चाहते हैं वह सिलाई, कढ़ाई, होटल व्यवसाय आदि की ओर अग्रसर हो रहे हैं कई युवक-युवतियां नौकरी भी करने लगे हैं साथ ही मिट्टी के कार्य में मेहनत बहुत लगती है मुनाफा कम मिलता है।

इसी समाज के कमलेश गोयल बताते हैं कि, सुबह 3-4 बजे उठना मिट्टी गारा तैयार करना, फिर बर्तन आदि बनाना उसके बाद पकाने हेतु इंधन की व्यवस्था करना बहुत कठिन होता जा रहा है इस कारण नई पीढ़ी इस व्यवसाय से हटती जा रही है। अभी कुछ लोग मटके, दीपक, सुराही, बरिया, कथौलिया आदि बना रहे हैं मगर भविष्य में यह सब भी बंद करने पर मजबूर होंगे। शासन की ओर से इस समाज को किसी भी तरह की मदद नहीं मिलती है। जंगलों से लकड़ी आदि लाना मुश्किल है, वैसे भी जंगल रहे नहीं है। ग्रामीण लोग लकड़ी काटने और बीनने नहीं देते हैं ऐसी स्थिति में धंधा बंद करना ही बेहतर है तथा अन्य लाभप्रद व्यवसाय करना जरूरी माना जा रहा है।

आम्बुआ से जोबट तक की सड़क पर दरारे और गड्ढे ही गड्ढे

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ कस्बे से बाहर मंडी नाके तथा संकट मोचन हनुमान मंदिर से लेकर 16-17 किलोमीटर जोबट तक का सड़क मार्ग जो कि कुछ वर्षों पूर्व बना था, अब कई स्थानों पर उखड़ रहा है। जिससे वाहन चालकों को परेशानी हो रही है ठेकेदार द्वारा मरम्मत कार्य नहीं किया जा रहा है।

आम्बुआ से जोबट तक का सड़क मार्ग डामरीकृत ठेकेदार के माध्यम से कुछ वर्षों पूर्व बनाया गया था। मार्ग निर्माण के समय ही समाचार पत्रों में उसकी गुणवत्ता पर सवाल उठाए गए थे, इसके बाद भी यह मार्ग बनाया गया। इस मार्ग पर प्रतिदिन छोटे तथा भारी वाहनों का आवागमन होता रहता है जिस कारण आम्बुआ में तुलसी गैस एजेंसी, पुलिस थाने के कुछ आगे तथा बोरझाड़ में ठाकुर डॉ. राजेंद्र सिंह तथा ठाकुर लोकेंद्र सिंह राठौर के आवास भवन एवं कृषि फार्म के सामने सरकारी संस्था से आगे सेवड़, लुहार फलिया, बड़ा गुड़ा, रामपुरा आदि क्षेत्र में सड़क कई स्थानों पर जमीन धँस रही हैं तो कई स्थानों पर गहरी-गहरी दरारें दिखाई दे रही हैं। कुछ स्थानों पर गड्ढे भी हो रहे हैं जिस कारण वाहन चालको को भारी परेशानी हो रही है।

कई वाहन चालकों ने बताया कि, बरसात के बाद सड़क की मरम्मत हो जाना चाहिए थी मगर अभी तक मरम्मत कार्य नहीं किया जा रहा है। जिस कारण वाहन चलाने में परेशानी होती है तथा दुर्घटना का भय बना रहता है। वाहन चालकों तथा क्षेत्रवासियों में सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है।

ग्राम देहदला में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देानुसार ''आजादी का अमृत महोत्सव'' के अंतर्गत दिनांक 2 अक्टूबर से 14 नवंबर के मध्य आयोजित होने वाले विभिन्न विधिक जागरूकता कार्यक्रमों की कड़ी में 2 नवंबर को प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलीराजपुर अरूण कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में अभियान के अंतर्गत ग्राम देहदला में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें न्यायिक मजिस्ट्रेट चंद्रशेखर राठौर द्वारा विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 की जानकारी देते बताया कि, धारा 12 में मुक्त कानूनी सहायता के हकदार व्यक्तियों की श्रेणियों का विवरण दिया गया है। इन श्रेणियों में महिलाओं, बच्चे, अनुसचित जाति एवं जनजाति के सदस्य, हिरासत में व्यक्ति, औद्योगिक कर्मकार, आपदा के शिकार और वह व्यक्ति जो मानसिक रूप से अस्वस्थ्य या अन्यथा असमर्थ है, पात्र है। कानूनी सहायता और सलाह में मुख्य रूप से निम्नलिखित शामिल है सिविल और आपराधिक मामलों में पैनल अधिवक्तागण के माध्यम से अदालतों और न्यायाधिकरणों के सामने कानूनी प्रतिनिधित्व प्रदान करना। पूर्व गिरफ्तारी, गिरफ्तारी और रिमांड चरण में कानूनी सहायता प्रदान करना। साथ उन्होंने लोक उपयोगिता सेवाओं की लोक अदालत, वन अधिकार अधिनियम, अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम, मुआवजा एवं पुनर्वास का अधिकार, पंचायत अधिनियम की जानकारी भी दी। विधिक जागरूकता कार्यक्रम में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री व कृषि मंत्री के दौरे की सुरक्षा में हुई थी बड़ी चूक

माही की गूंज, मंदसौर।

31 अक्टूबर को प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर मंदसौर पहुंचे थे। शिवराज सिंह चौहान और नरेंद्र सिंह तोमर सीतामऊ के पूर्व विधायक नानालाल पाटीदार के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुचे थे। सीएम जब विमान से एयर स्ट्रिप पर उतरे तो उनका विमान एयर स्ट्रिप के दोनों और लगे बोर्ड के पहले रोका गया। इतना ही नहीं यहां पर सुरक्षा व्यवस्था में भारी खामियां देखने को मिली, लोग सुरक्षा घेरा तोड़कर सीएम के नजदीक पहुंच गए और हवाई जहाज के नजदीक भी पहुंच गए। पुलिस को लोगों को हटाने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ी। बाद में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी डीआईजी सुशांत सक्सेना कनिष्ठ अधिकारियों को फटकार लगाते हुए नजर आए। हालांकि सीएम की सुरक्षा में हुई चूक को अधिकारी इसे चूक नहीं मानते।

अधिकारियों का कहना है कि, सुरक्षा बल कम था और लोग ज्यादा आ गए थे, इस कारण थोड़े लोग हेलिकॉप्टर के नजदीक पहुंच गए थे। चूक जैसी कोई बात नहीं है।

धन के देवता कुबेर के मंदिर पर श्रद्धालुओं का लगता है तांता, धनतेरस पर होती है विशेष पूजा अर्चना

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले में धन के देवता कुबेर का मंदिर है। खिलचीपुरा स्थित इस कुबेर मंदिर को धोलागढ़ महादेव मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। क्योंकि यहां पर भगवान कुबेर भगवान शिव के साथ स्थापित हैं। भगवान कुबेर की यह प्रतिमा नेवले पर विराजित है। मंदसौर मध्य प्रदेश का ऐसा ज़िला है जहां रावण को दामाद माना जाता है और यहां धन के देवता कुबेर का मंदिर है। ऐसा मंदिर जहां माथा टेकने बड़े-बड़े नेता और आईएएस-आईपीएस अफसर भी आते हैं। यहां कुबेर शिव परिवार के साथ एक ही मंदिर में विराजे हैं। कुबेर भगवान की अनूठी प्रतिमा शिव के साथ केवल मंदसौर में ही स्थापित है।

ऐसी मान्यता है कि, यह मंदिर गुप्तकालीन है और यहां पर उड़ कर आया था। इस मंदिर की कोई नींव नहीं है। मराठा काल में इस मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ था और उसके बाद यहां पर प्रतिवर्ष धनतेरस को भगवान कुबेर की पूजा अर्चना की जाती है। भगवान कुबेर धन के देवता है साथ ही देवताओं के वह कोषाध्यक्ष भी हैं।

मंदसौर शहर में विश्वविख्यात श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर से महज एक किमी दूरी स्थित खिलचीपुरा में लगभग एक हजार 200 वर्ष पुराने धौलागढ़ महादेव मंदिर में भगवान कुबेर की प्रतिमा के दर्शनों के लिए अल सुबह करीब चार बजे से ही भक्तों का तांता लग गया था। कतार में लगकर भक्तों ने दर्शनों का लाभ लिया। सुबह चार बजे से विशेष अनुष्ठान के तहत महाभिषेक, हवन व पूजन प्रारंभ हुआ। अभिषेक के बाद भगवान का आकर्षक श्रृंगार किया गया। इसके बाद हवन प्रारंभ हुआ। शाम तक मंदिर परिसर में पं. किशोर शास्त्री, पं. राकेश व्यास व अन्यद विद्वान पंडितों ने कुबेर मंत्रों का जाप व कुबेर यंत्र को अभिमंत्रित किया। दर्शन करने के लिए भक्तों को कतार में लगकर इंतजार करना पड़ा। रात तक लोग मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते रहे। पुलिस व प्रशासनिक व्यवस्था यहां भी चुस्त दुरुस्त रही। उल्लेखनीय है कि खिलचीपुरा में श्री धौलागढ़ महादेव मंदिर पर शिव के साथ ही कुबेर की मूर्ति भी है। विश्व में दो ही स्थान ऐसे हैं जहां शिव पंचायत में कुबेर भी शामिल है। एक चार धामों में शामिल श्री केदारनाथ में तथा दूसरी मूर्ति धौलागढ़ महादेव मंदिर में हैं। पुरातत्व विभाग के डॉ. कैलाश शर्मा के अनुसार श्री धौलागढ़ महादेव मंदिर लगभग एक हजार 200 साल पहले बना मंदिर है। इसी मंदिर में स्थापित भगवान कुबेर की मूर्ति उत्तर गुप्तकाल में सातवीं शताब्दी में निर्मित है। मराठाकाल में धोलागिरी महादेव मंदिर के निर्माण के दौरान इसे गर्भगृह में स्थापित किया गया था। मंदिर में भगवान गणेश व माता पार्वती की मूर्तियां भी है। 1978 में श्री कुबेर की मूर्ति की पहचान हुई। मूर्ति में कुबेर बड़े पेट वाले, चतुर्भुजाधारी सीधे हाथ में धन की थैली और तो दूसरे में प्याला धारण किए हुए है। नर वाहन पर सवार इस मूर्ति की ऊंचाई लगभग तीन फीट है। प्राचीन व पुरा महत्व का मंदिर होने से इसकी संरचना में बदलाव नहीं किया जा सकता। विभाग की ओर से संरक्षण अधिसूचना में शामिल करने पर अब इसके जीर्णोद्धार व अन्य सुविधाएं के लिए जल्दष प्रस्ता व तैयार किया जाएगा। भोपाल से इंजीनियरों के जल्द ही आने की उम्मीद है।

भानपुरा द्य नगर में भी धन तेरस पर भगवान धन्वंतरि और धन के देवता कुबेर की महाआरती हुई। महाप्रसादी बांटी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। रात करीब साढ़े सात बजे खारीकुई स्थित भगवान कुबेर की आरती शुरू हुई जो रात साढ़े आठ बजे तक चली। इसके बाद महाप्रसादी वितरित की गई। इससे पहले भगवान को आकर्षक श्रृंगार किया गया था।

जनादेश का सम्मानः कांग्रेस प्रत्याशी पटेल ने मतदाताओं का माना आभार

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जोबट विधानसभा क्षेत्र-192 उपचुनाव में पराजित हुए कांग्रेस प्रत्याशी महेश पटेल ने उपचुनाव में प्राप्त जनता के जनादेश का सम्मान करते हुए अपने मतदाताओं का आत्मीय आभार व्यक्त किया है। उन्होने कहा कि, अपनी इस हार के बाद भी वह जोबट क्षेत्र के सुख-दुख में सदैव काम आते रहेंगे। उनकी विभिन्न समस्याओं का निराकरण करने में सक्रिय भूमिका निभाते रहेंगे। पटेल ने बताया कि, यह उपचुनाव भाजपा उम्मीदवार सुलोचना रावत ने नही लड़ा यह चुनाव शासन-प्रशासन के संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों ने मिलकर लड़ा है। सरकारी तंत्र का जमकर उपयोग किया गया है। चुनाव में अनैतिक रूप से धनबल, दहशत बल, आतंक बल, अवैध शराब वितरण आदि का खुलकर उयोग किया गया। उपचुनाव मे कांग्रेसी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं धमकाया गया ओर फर्जी केस में फंसा जेल में डाला गया। सरकार के दबाव में कांग्रेस द्वारा की गई शिकायतो का चुनाव आयोग ने कोई सुनवाई भी नही की, यह सरासर लोकतंत्र की हत्या है।

जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्प ने व्यक्त किया आभार

माही की गूंज, अलीराजपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज पुष्प एवं पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने जोबट विधानसभा उप निर्वाचन 2021 के तहत हुए मतदान एवं मतगणना की प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होने पर मतदाताओं, जिलेवासियों, समस्त राजनैतिक दलों, मतदान कार्य में लगे अधिकारी-कर्मचारियों, पुलिस बल आदि सभी का आभार व्यक्त किया।

जोबट उपचुनाव: भाजपा उम्मीदवार सुलोचना रावत की हुई जीत

कड़ी सुरक्षा में बीच शांतिपूर्ण हुई मतगणना

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जोबट विधानसभा क्षेत्र 192 के उप निर्वाचन के मतों की गणना कडे सुरक्षा प्रबंधों के बीच शासकीय महाविद्यालय अलीराजपुर में मंगलवार को सुबह 8 बजे से प्रांरभ हुई। दो कक्षों में 7-7 टैबलों पर 417 मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं द्वारा डाले गए मतों की गणना की गई। डाक मत पत्रों की गणना के लिए अलग से काउंटर बनाया गया था। उक्त उप निर्वाचन में भाजपा उम्मीदवार श्रीमती सुलोचना रावत ने 68 हजार 949 मत प्राप्त कर वें विजयी रहीं। उनके निकटतम प्रतिद्धदी कांग्रेस उम्मीदवार महेश पटेल को कुल 62 हजार 845 मत प्राप्त हुए। वही दलसिंह डावर को 2 हजार 645 मत, मोहनसिंह निंगवाल को 981 मत, सरदार हरमल परमार को 3 हजार 71 मत, दिलीपसिंह भूरिया को 2 हजार 842 मत प्राप्त हुए।

जोबट विधानसभा उप निर्वाचन में कुल डाले गए मत एक लाख 46 हजार 874 में से कुल विधिमान्य मतों की कुल संख्या एक लाख 41 हजार 333, प्रतिक्षेपित मतों की संख्या 70, नोटा मतों की संख्या 5 हजार 611 रही। मतगणना के दौरान सामान्य प्रेक्षक ओपी वर्मा ने पूरे समय मतगणना का जायजा भी लिया। निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशानुसार कोविड-19 के दिशा निर्देशो का पालन करते हुए मतगणना स्थल पर इंतजाम किए गए थे। मतगणना शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई।

- विजयी उम्मीदवार श्रीमती सुलोचना रावत को प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज पुष्प।

- विजयी उम्मीदवार श्रीमती सुलोचना रावत।

जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज पुष्प ने विजयी उम्मीदवार श्रीमती सुलोचना रावत को प्रमाण-पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर प्रदेश के औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव, सांसद गुमानसिंह डामोर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता चौहान सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे। मतगणना स्थल पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन, रिटर्निंग अधिकारी जगदी मेहरा सहित अन्य मतगणना कार्य में लगे अधिकारी-कर्मचारीगण आदि उपस्थित थे। मतगणना के प्रत्येक राउंड का अलाउंसमेंट माध्यम से जानकारी आमजनता को प्रदान की गई।

जोबट उपचुनाव में भाजपा की जीत पर आतिशबाजी कर किया खुशी का इजहार

कांग्रेस खेमे में मायूसी का आलम, कार्यकर्ता भी मायूस

माही की गूंज, आम्बुआ। विधानसभा क्षेत्र जोबट में संपन्न हुए उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी के महेश पटेल को हराकर भाजपा की श्रीमती सुलोचना रावत की जीत पर पार्टी कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है। आगामी 18 माह के लिए श्रीमती रावत विधायक होगी। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी तथा मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की। जैसा विदित है कि, कांग्रेस की तत्कालीन विधायक सुश्री कलावती भूरिया के आकस्मिक निधन से रिक्त हुई जोबट विधानसभा की सीट पर हुए उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी के महेश पटेल अपने प्रतिद्वंदी कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम कर चुनाव वैतरणी पार करने का प्रयास करने वाली श्रीमती सुलोचना रावत से 6 हजार 104 मतों के भारी अंतर से हार गए। महेश पटेल तीसरी बार पार्टी उम्मीदवारी की परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुए। हार का आकलन मनन आदि अब होता रहेगा, मगर श्रीमती सुलोचना रावत जो कि विगत वर्षों से कांग्रेस से उपेक्षित चलती रहकर भाजपा में सम्मिलित कर चुनाव जीतने पर उन्हें तथा उनके परिवार एवं उनके साथ रहे समर्थकों के साथ ही भाजपा में प्रवेश दिलाकर जिताने में जुटे मंत्री नेता कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है। कार्यकर्ताओं ने खुशी का इजहार मिठाई खिलाकर तथा आतिशबाजी कर किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी मायूसी देखी गई उन्हें हार की बिल्कुल ही उम्मीद नहीं थी।

सुलोचना की सादगी, महेश की दबंगता पर भारी

मतदाताओं ने बाहरी उम्मीदवार को नकारा

माही की गूंज, झाबुआ/अलीराजपुर। संजय भटेवरा

माही की गूंज ने पोर्टल न्यूज़ पर मतदाताओं के मूढ़ के लेकर मतदान समाप्ति के पश्चात लिखा, कहीं न कहीं इस चुनाव में सुलोचना की सादगी कहीं न कहीं इस चुनाव में भारी पड़ती नजर आ रही है और चुनाव परिणाम के पश्चात माही की गूंज की खबर पर मुहर लग गई और जोबट उपचुनाव में एक बार फिर सु..लोचन... कमल खिल गया। यहां सुलोचना की सादगी के साथ ही पूर्व विधायक माधोसिंह डावर की भी निर्णायक भूमिका रही। चुनाव पूर्व वे टिकट के प्रबल दावेदार थे लेकिन नाटकीय घटनाक्रम के बाद न केवल सुलोचना भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुई वरन पार्टी ने उन्हें टिकट भी दिया। बावजूद इसके माधोसिंह डावर ने पार्टी के फैसले का कोई विरोध न करते हुए पार्टी के पक्ष में ईमानदारी के साथ प्रचार किया और पार्टी की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इसके अलावा माही की गूंज ने यह भी लिखा था कि, कहीं न कहीं सुलोचना के समर्थक जो उनके साथ भले ही भाजपा में न आए हो लेकिन उनका झुकाव सुलोचना की और ही रहेगा और यह तथ्य भी सही साबित हुआ और भाजपा की जीत में इसकी भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। तीसरा तथ्य यह है कि, जोबट क्षेत्र की जनता ने अलीराजपुर के हाथों में अपने क्षेत्र की कमान नहीं सौंपी। चुनाव प्रचार में स्थानीय बनाम बाहरी का मुद्दा भी प्रभावी रहा। यही नहीं एक ही परिवार के दो व्यक्तियों को जनप्रतिनिधि के तौर जोबट की जनता ने स्वीकार नहीं किया। क्षेत्र में जोबट के रावत परिवार अलीराजपुर के रावत परिवार में से जनता ने स्थानीय रावत परिवार जोबट को प्राथमिकता दी। यही नहीं क्षेत्र में महेश पटेल की छवि तेज-तर्रार व दबंग नेता के रूप में है, जबकि सुलोचना की छवि सादगी व सरल नेता के रूप में है। आम मतदाताओं ने दबंगता पर सादगी को ज्यादा महत्व दिया।

अब आगे क्या ...?

कुछ अपवादों को छोड़ दिया जाए तो अमूमन उपचुनाव में जनता सरकार का साथ देना ज्यादा पसंद करती है। कांग्रेस ने दमोह उपचुनाव में जीत हासिल करने के बाद उसका मॉडल पूरे प्रदेश में लागू करने का फैसला किया था, लेकिन हर क्षेत्र की स्थितियां अलग-अलग होती है कांग्रेस को शीर्ष नेतृत्व इसको समझ नहीं पाया। टिकट वितरण में भी पार्टी ने उसके द्वारा करवाए सर्वे के प्राथमिकता दी, जोकि गलत साबित हुई। लगातार चुनाव हारने के कारण महेश पटेल के लिए आगे की राह बहुत कठिन है, उन्हें अपनी शैली में बदलाव लाना होगा पार्टी उन्हें आगे मौका देगी इसकी संभावना कम ही है। बावजूद इसके वे अलीराजपुर में कांग्रेस के बड़े नेता बने रहेंगे लेकिन पार्टी को नए विकल्प तलाशता होगा, साथ ही पार्टी को अपने कुनबे को संभाले रखना मुश्किल साबित होगा।

जहां तक भाजपा का सवाल है झाबुआ और अलीराजपुर दोनों ही जिले में पार्टी का कोई विधायक नहीं था अब जोबट की जीत से पार्टी को एक विधायक मिल गया है। अगर सांसद और विधायक मिलकर कार्य करेंगे तो यह न केवल क्षेत्र की जनता के लिए बल्कि भाजपा के लिए भी अच्छा रहेगा। कांग्रेसी पृष्ठभूमि की विधायक व भाजपा सांसद कितना तालमेल बना पाते हैं यह तो वक्त ही बताएगा। लेकिन प्रभारी मंत्री राज्यवर्धन सिंह की छवि इस उपचुनाव में निश्चित ही चमकी है, उनके प्रभाव वाले कट्ठीवाड़ा क्षेत्र जोकि कांग्रेसी पटरी कहलाता है और पिछले चुनाव में कांग्रेस ने 400 की बढ़त ली थी, उसको पारकर इस बार भाजपा ने लगभग 2 हजार 900 मतों की बढ़त प्राप्त की है, जिससे सरकार में राज्यवर्धन सिंह दत्ती गांव का कद बढ़ेगा। साथ ही सिंधिया गुट का दबाव भी सरकार पर बरकरार रहेगा। इसके अलावा भाजपा के पास क्षेत्र में निर्मला भूरिया के अलावा कोई महिला नेत्री नहीं थी, सुलोचना की जीत के बाद जिले में भाजपा को नया महिला नेतृत्व मिलेगा। वही प्रदेश स्तर पर देखे तो 4 में से 3 तीन उपचुनाव में जीत के बाद शिवराज घटाओ मुहिम चलाने वाले को झटका लगा है। शिवराज की स्थिति मजबूत होगी लेकिन भाजपा को रेगांव कि हार से सबक लेना चाहिए, कहीं न कहीं महंगाई और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे भी प्रदेश में और असर कारक है भले ही वो अन्य क्षेत्र में सरकारी मैनेजमेंट के आगे बोने साबित हुए हो, लेकिन सरकार को अब महंगाई भ्रष्टाचार व प्रशासनिक निरंकुशता अपना ध्यान देना होगा।

आमजन की शिकायतों का नहीं होता निराकरण

माही की गूंज, थांदला। मुकेश भट्ट

जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाईन व सूचना का अधिकार कार्यक्रम की अवधारणा तो आमजन की समस्याओ का उचित निदान व भ्रष्टाचार पर अंकुष लगाने की थी, लेकिन इन योजनाओ का लाभ आमजन को कम ही मिल पाता है। जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाईन व सूचना का अधिकार मात्र जनआक्रोष को शांत करने का साधन बनकर रह गई है। कई आवेदक उक्त व्यवस्थाओ मे अपनी व्यथा दर्ज करवा चुके है, लेकिन कही से भी कोई समाधान नही मिला। जिस प्रकार से कार्यालयो मे फाईले एक टेबल से दूसरी टेबल पर भेजी जाती है उसी प्रकार जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाईन व सूचना का अधिकार मे की गई शिकायते भी एक लेवल से दूसरे लेवल पर भेजी जाकर समय व्यतीत किया जाता है ताकि शिकायतकर्ता स्वंय ही थक हारकर शिकायत को भूल जाए।

नगर के मनीष अहिरवार, धर्मेन्द्र भारती, प्रकाश डामोर, कमलेश सोनी आदि ने बताया कि, हमने इन सभी जनशिकायत केन्द्रो मे शिकायत दर्ज करवाकर देख ली, कही से कोई समाधान नही मिलता है। सूचना के अधिकार मे जानकारी नही मिलती और सीएम हेल्पलाईन व जनसुनवाई मे शिकायत का समाधान नही होता है। सीएम हेल्पलाईन व जनसुनवाई मे दिए गए शिकायती आवेदनो की जांच भी जिसके विरूद्ध शिकायत की गई है उसी से करवाई जाती है, जिस वजह से शिकायत का औचित्य ही खत्म हो जाता है।

शिकायतकर्ता जितेन्द्र कुमार ने बताया कि, मेने नगर परिषद के विरूद्ध एक शिकायत सीएम हेल्पलाईन मे दर्ज करवाई थी, जिसके निराकरण के लिए नगर परिषद के एक कर्मचारी ने मेरे मोबाईल से बात करके मेरी शिकायत खत्म करवा दी। जब मेरे पास शिकायत के निराकरण का कॉल आया तब पता चला कि, मेरी शिकायत खत्म करवा दी गई।

ऐसे अन्य कई आवेदक है जिनकी शिकायते जनसुनवाई व सीएम हैल्पलाईन मे महीनो से लंबित पडी है। जिले की समीक्षा बैठक मे कलेक्टर द्वारा भी लंबित शिकायतो के निपटारे के लिए सख्त निर्देष दिए जाते है, किन्तु संबधित विभाग शिकायत का निपटारा नही करते हुए शिकायतकर्ता को ही निपटा देते है। गौरतलब है कि, शासन की उक्त योजनाओ का लाभ आमजन को नही मिल रहा है उक्त योजनाए केवल शासन प्रशासन की छवि उजली दिखाने का प्रयास भर है।

कोरोना के बाद दीपावली पर्व पर बाजार में लौटी रोनक

माही की गूंज, थांदला।

दीप पर्व के पूर्व मंगलवार को नगर में त्यौहार हॉट होने से काफी भीड़ रही जिसके चलते व्यापार भी अच्छा रहा। पलायन पर गए ग्रामीण जन पुनः अपने गांव को लौटे, उन्होंने रोजमर्रा के सामान की जमकर खरीदी की। मंगलवार को धनतेरस के दिन कोराना से सुस्त पड़े सोना-चांदी, कपड़ा, बर्तन व किराना की दुकानों पर जमकर खरीदी हुई। नगर के व्यस्ततम मार्ग पिपली चौराहे से आजाद मार्ग फुटपाथ के दोनों छोर के किनारे फूल, रंगोली, दीपक, पशुओं के श्रृंगार सामग्री विक्रेता बैठकर व्यापार करते रहे, जहां ग्रामीणों की भीड़ लगी रही।

नगर के युवा चांदी व्यवसाई मंगलेश श्रीमाल, नितिन सोनी व आशीष सोनी का कहना है कि, कोराना के बाद ग्रामीणों में चांदी के आभूषणों की जमकर खरीदी की। धनतेरस स्वास्थ्य के साथ हमें धन समृद्धि समृद्धि प्रदान करता है इस दिन ग्रामीणों के अलावा नगर के लोगों द्वारा आभूषण खरीदे गए।

पीपली चौराहा स्थित संजय जैन रेस्टोरेंट के संचालक दिलीप दिलीप जैन का कहना है कि, त्योहारों की दृष्टिगत रखते हुए ग्राहकों की मांग पर विशेष मिठाई बाहर के कारीगरों को बुलवाकर बनवाई है, उन्हें उम्मीद है कि दीपावली पर व्यवसाय अच्छा रहेगा। वही नगर में प्रशासन ने पटाखा दुकान नवीन बायपास मार्ग पर स्थित राठौड़ कृषि फार्म पर लगाने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को 90 से अधिक प्लाट धारकों को शत-शत लाइसेंस वह प्लॉट आवंटन का विक्रय की अनुमति प्रदान की गई। महंगाई के चलते पटाखे 15 से 20 फीसदी तक महंगे हैं। वहीं प्रशासन ने त्योहार के चलते सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए नगर के प्रमुख मार्गों पर बैरिकेड लगाकर बड़े वाहनों को नगर प्रवेश नहीं होने दिया जा रहा है। पुलिस प्रमुख चौराहों पर मौजूद है, आला अधिकारी पैदल घूम कर व नगर में लगे सीसीटीवी कैमरों से थाने में बैठकर हर गतिविधियों पर नजर रखे हुए है। अनुमान है कि, इस बार दिपावली पर व्यापार अच्छा रहेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422